पंजाब और हिमाचल का संपर्क टूटा, पठानकोट-डलहौज़ी-चंबा नेशनल हाईवे बंद

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

लोक शक्ति

दिल्ली में बारिश के साथ हुई सुबह शुरुआत, उत्तराखंड में रेड अलर्ट

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 230 | रायपुर | बुधवार 13 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

18541 करोड़ की योजनाओं को दी मंजूरी

मोदी कैबिनेट का निर्णय : चार नए सेमीकंडक्टर प्रोजेक्ट, यूपी में लखनऊ मेट्रो का होगा विस्तार

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में तीन ऐसे बड़े और दूरगामी फैसले लिए गए हैं, जो 'आत्मनिर्भर भारत' की तस्वीर को और भी चमकदार बनाने वाले हैं. इन फैसलों से जहां एक तरफ भारत मोबाइल और लैपटॉप बनाने की दुनिया में एक बड़ी छलांग लगाएगा, वहीं दूसरी तरफ देश के दूर-दराज के इलाकों में बिजली पहुंचेगी और शहरों में ट्रैफिक का झंझट कम होगा।

फैसला नंबर 1: भारत में ही बनेंगे 'चिप'! ओडिशा-पंजाब में लगेंगी 4 नई सेमीकंडक्टर यूनिट्स

यह इस बैठक का सबसे बड़ा और रणनीतिक फैसला है. अब तक हम मोबाइल फोन, लैपटॉप, कार और हर इलेक्ट्रॉनिक सामान में लगने वाली 'चिप' यानी सेमीकंडक्टर के लिए चीन, ताइवान जैसे देशों पर निर्भर थे. लेकिन अब यह तस्वीर बदलने वाली है. कैबिनेट ने 'इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन' (ISM) के तहत 4,600 करोड़ के निवेश से चार और नई सेमीकंडक्टर यूनिट्स लगाने को मंजूरी दे दी है.

क्या बनेगा यहां? इन यूनिट्स में मिसाइल, डिफेंस उपकरण, इलेक्ट्रिक गाड़ियां (EVs), फास्ट चार्जर, मोबाइल फोन और डेटा सेंटर में इस्तेमाल होने वाले अलग-अलग तरह के चिप और सेमीकंडक्टर डिवाइस बनेंगे. अब हमें चिप के लिए दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा. इन यूनिट्स से सीधे तौर पर 2034 से ज्यादा कुशल लोगों को नौकरियां मिलेंगी और हजारों अप्रत्यक्ष रोजगार भी पैदा होंगे. भारत में दुनिया की सबसे एडवांस पैकेजिंग टेक्नोलॉजी आएगी और देश की पहली कमर्शियल कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैक्ट्री लगेगी. यह फैसला भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग का एक ग्लोबल हब बनाने की दिशा में एक बहुत बड़ा मील का पत्थर है।

फैसला नंबर 2: अरुणाचल के पहाड़ों में बनेगा विशाल हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट, मिलेगी 700 मेगावाट बिजली

कैबिनेट ने दूसरा बड़ा फैसला ऊर्जा के क्षेत्र में लिया है. अरुणाचल प्रदेश के शि योमी जिले में तातो-II हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (HEP) के निर्माण को मंजूरी दे दी गई है. इस विशाल प्रोजेक्ट पर 8,146.21 करोड़ का निवेश किया जाएगा. इसे पूरा करने में 72 महीने यानी 6 साल का समय लगेगा. यह प्रोजेक्ट 700 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ हर साल 2738.06 मिलियन यूनिट बिजली पैदा करेगा.

किसे मिलेगा फायदा?

राज्य में बिजली की सप्लाई सुधरेगी और उसे 12% बिजली मुफ्त में मिलेगी. यहां बनने वाली बिजली नेशनल ग्रिड को स्थिर करने में भी मदद करेगी. प्रोजेक्ट के लिए 32 किलोमीटर से ज्यादा सड़कें और पुल बनेंगे, जिनका फायदा स्थानीय लोगों को भी मिलेगा. साथ ही, अस्पताल, स्कूल और बाजार जैसी सुविधाएं भी विकसित की जाएंगी. यह प्रोजेक्ट न केवल देश को स्वच्छ और हरित ऊर्जा देगा, बल्कि अरुणाचल प्रदेश जैसे सीमावर्ती और संवेदनशील राज्य के विकास में भी एक नई जान फूंकेगा।

फैसला नंबर 3: 'नवाबों के शहर' को मिली मेट्रो की नई सौगात, पुराने लखनऊ का सफर होगा आसान

कैबिनेट का तीसरा फैसला उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लिए है. लखनऊ मेट्रो रेल प्रोजेक्ट के फेज-1B को मंजूरी दे दी गई है. इस पर 5,801 करोड़ खर्च होंगे और इसके तहत 11.165 किलोमीटर लंबा नया मेट्रो कॉरिडोर बनाया जाएगा, जिसमें 12 स्टेशन होंगे (7 अंडरग्राउंड और 5 एलिवेटेड)।

बीएसएफ ने भारत-पाक बॉर्डर एरिया में पकड़ी 8.50 करोड़ रुपए की हेरोइन

बीकानेर, एजेंसी।

अंतरराष्ट्रीय भारत-पाक सीमा पर स्थित खाजूवाला कस्बे के 21 बीड़ी गांव के पास बीएसएफ ने नशे की खेप बरामद की है. बीएसएफ बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की खुफिया सूचना के आधार पर उपमहानिरीक्षक क्षेत्रीय मुख्यालय अजय लूथरा के निर्देशन में खाजूवाला पुलिस के साथ संयुक्त सघन तलाशी अभियान चलाया. इस दौरान 21 बीडी गांव एरिया में 1.665 किलोग्राम मादक पदार्थ (हेरोइन) की जब्ती की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय मार्केट में कीमत लगभग 8.50 करोड़ रुपए है।

बीएसएफ इंटेलिजेंस ब्रांच को खुफिया सूचना मिली थी कि काउंटरपार्ट की तरफ से भारतीय क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी की जानी है. इसी सूचना के आधार पर ये सर्च अभियान चलाया गया था और इस अभियान के दौरान तस्करी किए जाने वाले सामान को जब्त कर तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरा है. इससे पहले भी बीएसएफ बीकानेर की इंटेलिजेंस ब्रांच की सूचना के आधार पर तस्करों के मंसूबों पर पानी फिरा है।

सड़कों पर नहीं दिखेंगे आवारा कुत्ते : सुप्रीम कोर्ट का आदेश

एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने आठ हफ्तों के अंदर सड़कों पर घूम रहे लावारिस कुत्तों को पकड़ कर डॉग शेल्टर में भेजने का आदेश जब से दिया है तब से डॉग लवर्स में गुस्सा साफ तौर पर नजर आ रहा है. इंडिया गेट पर भी बड़ी संख्या में लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के खिलाफ धरना प्रदर्शन किया. आपको बता दें कि सर्वोच्च न्यायालय ने यह साफ किया कि अगर किसी भी व्यक्ति को या किसी भी संस्था ने इस काम में बाधा डाली, तो उसके विरुद्ध एक्शन लिया जाएगा और एफआईआर दर्ज करने तक के निर्देश दिए जा चुके हैं. दिल्ली में रोहिणी के पास पूठ कलां में आवारा कुत्ते के काटने से रेबीज के कारण 6 साल की बच्ची की मौत के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर फैसला सुनाया है.

दिल्ली में नहीं है कुत्तों के लिए शेल्टर आंकड़ों पर नजर डाले तो इस साल अब तक दिल्ली में कुत्तों के काटने के कुल 26,334 मामले सामने आए हैं. पशु अधिकार कार्यकर्ता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के मुताबिक दिल्ली में तीन लाख कुत्ते हैं, जबकि एक भी शेल्टर होम नहीं है. कुत्तों पर गर्माते इस मामले पर हमने दिल्ली एनसीआर के डॉग लवर्स से बात की तो उनकी अलग-अलग राय सामने आई।

आधार-पेन और वोटर आईडी रखने से कोई भारत का नागरिक नहीं बनता : होईकोर्ट की बड़ी टिप्पणी

मुंबई। एजेंसी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए कहा है कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी जैसे दस्तावेज होने का यह मतलब नहीं है कि वह भारत का नागरिक हो गया है। अदालत ने कहा कि भारतीय नागरिकता सिर्फ 'नागरिकता अधिनियम, 1955' के तहत ही तय होती है, पहचान पत्र या अन्य सेवाएं प्रदान करने वाले दस्तावेज इसके आधार नहीं हो सकते। यह अहम टिप्पणी करते हुए अदालत ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर भारत में रहने के आरोपी एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को जमानत देने से इनकार कर दिया।

जस्टिस अमित बोरकर की बेंच बाबू अब्दुल रऊफ सरदार नाम के एक शख्स की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही थी। बाबू अब्दुल पर आरोप है कि वह बिना किसी वैध पासपोर्ट या वीजा के बांग्लादेश से भारत में घुस आया था। यहाँ उसने आधार कार्ड, पैन कार्ड, वोटर आईडी और यहाँ तक कि भारतीय पासपोर्ट जैसे कई फर्जी दस्तावेज भी तैयार करा लिए थे। जस्टिस बोरकर ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा, मेरी राय में, नागरिकता अधिनियम, 1955 ही भारत में नागरिकता और राष्ट्रीयता को परिभाषित करने वाला एकमात्र कानून है।

'पूरी दुनिया सुन ले सिंधु समझौता रद्द हो गया है', पाक को शिवराज का करारा जवाब

नईदिल्ली,एजेंसी

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पाकिस्तान और अमेरिका को कड़ा जवाब देते हुए साफ कर दिया है कि भारत किसी की धमकियों से डरने वाला नहीं है। उन्होंने घोषणा की कि सिंधु जल समझौता रद्द हो चुका है और अब सिंधु नदी का पानी भारतीय किसानों के लिए उपयोग होगा। यह बयान पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर के अमेरिका में दिए गए उस बयान के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने सिंधु समझौते को लेकर भारत को धमकी दी थी। शिवराज सिंह चौहान ने आज नई दिल्ली में किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ मुलाकात के दौरान यह बात कही।

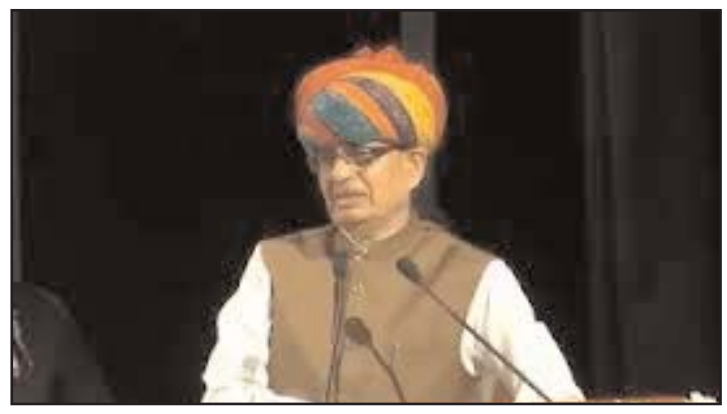

'हमारा पानी हमारे किसानों के काम आएगा, यह तय फैसला है'

शिवराज ने कहा, 'पड़ोसी अमेरिका से परमाणु हथियार की गीदड़ भभकी दे रहे हैं, लेकिन भारत इससे डरने वाला नहीं है। पूरी दुनिया सुन ले, सिंधु समझौता रद्द हो गया है, हमारा पानी हमारे किसानों के काम आएगा, यह तय फैसला है। समझौता, टैरिफ को लेकर पूरा देश आशंकित था। कई की तो सांसें थम रही थीं। कुछ लोग तो प्रतीक्षा कर रहे थे कि फंस जाए कहीं। मैं हृदय से अपने प्रधानमंत्री को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इसी मंच से कहा कि व्यक्तिगत रूप से मेरा कितना भी बड़ा नुकसान हो जाए लेकिन किसान हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।'

पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे किसान संगठनों के प्रतिनिधि

शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि किसानों के हित उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत किसानों के कल्याण के लिए दृढ़ संकल्पित है और इस दिशा में कोई समझौता नहीं होगा। इस मौके पर किसान संगठनों ने शिवराज से मुलाकात कर केंद्र सरकार के किसान हितैषी फैसलों की सराहना की। संगठनों के प्रतिनिधि जल्द ही प्रधानमंत्री मोदी से भी मुलाकात करेंगे और उनके नेतृत्व में लिए गए इन फैसलों के लिए आभार व्यक्त करेंगे।

जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ लोकसभा में महाभियोग प्रस्ताव स्वीकार

नई दिल्ली। एजेंसी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने के लिए 146 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। अध्यक्ष ओम बिरला ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए तीन सदस्यीय पैनल की घोषणा की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने जानकारी देते हुए कहा, समिति के सदस्यों में सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, मद्रास उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनिंदर मोहन श्रीवास्तव और कर्नाटक उच्च न्यायालय के वरिष्ठ वकील बीवी आचार्य शामिल हैं। समिति जल्द से जल्द अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

भारत ने बांग्लादेश से जूट उत्पादों के आयात पर प्रतिबंध लगाया

नईदिल्ली,। बांग्लादेश के साथ तनावपूर्ण संबंधों के बीच भारत ने सोमवार को कुछ जूट उत्पादों और रस्सियों के सामान पर प्रतिबंध लगा दिया है। ये प्रतिबंध जमीनी मार्गों से आयात पर लगा है। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने अधिसूचना जारी कर बताया कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित किसी भी स्थलीय बंदरगाह से बांग्लादेश से आयात की अनुमति नहीं होगी। डीजीएफटी ने बताया कि इन आयातों को केवल न्हावा शेवा बंदरगाह के माध्यम से ही किया जा सकेगा।

भारत की ओर से प्रतिबंधित उत्पादों में जूट या अन्य टेक्सटाइल बास्ट फाइबर से बने ब्लीच किए हुए और बिना ब्लीच किए हुए बुने हुए कपड़े, जूट की सुतली, डोरी, रस्सी, और जूट के बोरे और थैले शामिल हैं। डीजीएफटी ने बताया कि बांग्लादेश से भारत में कुछ वस्तुओं के आयात को तत्काल प्रभाव से विनियमित किया जाता है। इससे पहले 27 जून को भी बांग्लादेश से कई जूट उत्पादों और बुने हुए कपड़ों के आयात पर प्रतिबंध लगाया था।

देश | पाकिस्तान से लगती समूची सीमा इन दिनों हाई अलर्ट पर

भारत-पाक बॉर्डर पर ऑपरेशन अलर्ट की शुरुआत, सीमा सुरक्षा हुई और सख्त

एजेंसी। पश्चिमी सीमा पर ऑपरेशन अलर्ट की औपचारिक शुरुआत हो गई है. 17 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के दौरान सरहद पर सुरक्षा के इंतजाम और अधिक पुख्ता किए गए हैं. सीमा सुरक्षा बल के अधिकारियों और जवानों को पूरी तरह चौकसी पर तैनात किया गया है, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि को समय रहते रोका जा सके. ऑपरेशन अलर्ट के तहत पाकिस्तान से लगती समूची सीमा इन दिनों हाई अलर्ट पर है. संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है. बॉर्डर पर बीएसएफ के अधिकारी और जवान एक साथ चौकसी बरत रहे हैं. अत्याधुनिक हथियारों के साथ ऑपरेशन अलर्ट के तहत पूरी मुस्तैदी बरती जा रही है. साथ ही इलाके में खुफिया एजेंसियां भी सतर्क हैं. हेडक्वार्टर से सीमा चौकियों पर स्वतंत्रता दिवस से पहले मैनपावर बढ़ाया गया है.

इस दौरान संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जा रही है. सीमा चौकियों से लेकर अग्रिम मोर्चों तक आधुनिक हथियारों और संचार उपकरणों से लैस जवान लगातार गश्त करेंगे. मैनपावर बढ़ाने के लिए हेडक्वार्टर से अतिरिक्त बल को विभिन्न पोस्टों पर भेजा जा रहा है. पेट्रोलिंग के साथ-साथ खुर्रा चेकिंग भी तेज की गई है, ताकि सीमा के आसपास आने-जाने वाले वाहनों और व्यक्तियों की पूरी तरह जांच हो सके. खुफिया एजेंसियों को भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं. पाकिस्तान की ओर से किसी भी तरह की घुसपैठ, ड्रोन गतिविधि या तस्करी के प्रयास को नाकाम करने के लिए बीएसएफ का सारा तंत्र एक्टिव मोड में रहेगा.

बीएसएफ के साउथ सेक्टर डीआईजी महेश कुमार नेगी ने बताया कि ऑपरेशन अलर्ट एक रूटीन लेकिन बेहद अहम सुरक्षा कवायद है, जिसे विशेष परिस्थितियों में और भी सख्त कर दिया जाता है. 17 अगस्त तक पूरा पश्चिमी सीमा इलाका हाई अलर्ट पर रहेगा.

चीन पर नरम पड़े ट्रंप के तेवर, टैरिफ को 90 दिनों के लिए टाला, जिनपिंग को बताया अच्छा दोस्त

एजेंसी

वाशिंगटन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चीन के साथ मौजूदा व्यापार समझौते को 90 दिनों के लिए आगे बढ़ा दिया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच फिर से व्यापारिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही थी।

ट्रम्प ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए कहा कि उन्होंने चीन पर टैरिफ विस्तार से जुड़े कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर कर दिए हैं और समझौते के अन्य सभी तत्व समान रहेंगे। उन्होंने यह भी लिखा कि चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनके संबंध बहुत अच्छे हैं और चीन अच्छे से व्यवहार कर रहा है।

टैरिफ विस्तार की पिछली समय सीमा मंगलवार रात 12:01 बजे समाप्त होने वाली थी। अगर टैरिफ फिर से लागू होते, तो अमेरिका चीनी आयात पर 30% से ज़्यादा शुल्क लगा सकता था, और इसके जवाब में बीजिंग भी अमेरिकी निर्यात पर भारी शुल्क लगाकर प्रतिक्रिया दे सकता था। ट्रम्प के फैसले से अब दोनों देशों को मतभेद सुलझाने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया है।

ट्रम्प के इस फैसले का अमेरिकी कंपनियों ने स्वागत किया है। अमेरिका-चीन व्यापार परिषद के अध्यक्ष सीन स्टीन ने कहा, यह 90 दिनों की टैरिफ छूट दोनों देशों की सरकारों को बातचीत का समय देगी। यह कदम व्यापारिक स्थिरता की दिशा में अहम है।

> गौरतलब है कि जून में दोनों देशों ने कंप्यूटर चिप तकनीक, पेट्रोकेमिकल्स और दुर्लभ मृदा खनिजों जैसे क्षेत्रों में एक दूसरे को बाजार पहुंच देने पर सहमति जताई थी। इससे पहले मई में, अमेरिका और चीन ने भारी शुल्कों को अस्थायी रूप से कम करके एक बड़े आर्थिक संकट को टाल दिया था।

मई में जिनेवा में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने अपने उत्पादों पर लगे शुल्कों को क्रमशः अमेरिका के लिए 30% और चीन के लिए 10% तक सीमित कर दिया था, जबकि इससे पहले यह शुल्क 125% और 145% तक पहुंच चुके थे।

अब देखना यह है कि आगामी 90 दिनों में क्या दोनों देश कोई स्थायी समझौता कर पाते हैं या फिर एक बार फिर वैश्विक बाजारों को अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा।

मलेशिया से चेन्नई आ रहे मालवाहक विमान के इंजन में लगी आग, सुरक्षित उतारा गया

नईदिल्ली,एजेंसी।

मलेशिया के कुआलालांपुर से चेन्नई आ रहे एक अंतरराष्ट्रीय मालवाहक विमान के इंजन में मंगलवार को आग लगने से हड़कंप मच गया। आग लगने की सूचना पर चेन्नई हवाई अड्डे पर अलर्ट जारी किया गया और मौके पर अग्निशमन विभाग की टीम तैनात रही। बताया जा रहा है कि विमान के उतरते ही आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मामले की जांच शुरू हो गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, हवाई अड्डे पर उतरने के दौरान मालवाहक विमान के चौथे इंजन में आग लगी थी, जिसके बाद पायलटों ने चेन्नई में संबंधित अधिकारियों को इसकी सूचना दी। बताया जा रहा है कि यह कोई आपातकालीन नहीं थी, क्योंकि विमान को चेन्नई ही उतरना था, लेकिन पायलट की सूचना के बाद विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। आग लगने के कारण अभी सामने नहीं आए हैं। मौके पर अधिकारी मौजूद हैं।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

पुलिस के लिए जनता के मन में सम्मान और अपराधियों में भय होना चाहिए- उपमुख्यमंत्री

गृहमंत्री ने पूरी ताकत के साथ आपराधियों के विरूद्ध कठोरता से कार्रवाई के दिए निर्देश

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री श्री विजय शर्मा ने आज सरगुजा कोर्डिनेशन सेंटर में सरगुजा रेंज अंतर्गत सभी पुलिस अधीक्षकों की उच्चस्तरीय बैठक ली। बैठक में उन्होंने कानून-व्यवस्था की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की और पुलिस तंत्र को अधिक प्रभावी, संवेदनशील और जवाबदेह बनाने के सख्त निर्देश दिए। बैठक में श्री शर्मा ने स्पष्ट कहा कि कानून का राज स्थापित करना और अपराधियों के मन में भय पैदा करना पुलिस की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। गंभीर अपराधों के मामलों में दोष सिद्धि की दर बढ़ाने पर विशेष जोर देते हुए उन्होंने सभी जिलों में मामलों की नियमित और वैज्ञानिक मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुलिस अधीक्षक न केवल अपने कार्यालय में आने वाले लोगों से समय पर मिलें, बल्कि अधीनस्थ पुलिसकर्मियों से भी संवाद कर उनकी समस्याओं और जरूरतों को समझें। उन्होंने पुलिस अधीक्षकों से कहा कि जिले के कॉलेज और स्कूलों का महीने में एक बार भ्रमण अवश्य करें और थानों में अनुशासन के लिए एसपी-एसएसपी और डीएसपी प्रत्येक सप्ताह परेड भी कराए। बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह श्री मनोज पिंगुवा, आईजी पीएचक्यू श्री अजय यादव, आईजी सरगुजा श्री दीपक झा सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अलावा सरगुजा रेंज के बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया, मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, सूरजपुर, और सरगुजा जिले के पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बैठक में मानव तस्करी, महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध, अवैध हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी जैसे गंभीर अपराधों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई पर जोर दिया गया। एनडीपीएस एक्ट के मामलों में एंड-टू-एंड इन्वेस्टिगेशन सुनिश्चित करने और दोषियों को कठोर सजा दिलाने की बात कही गई। अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और परिवहन को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने, चिटफंड कंपनियों के मामलों की गंभीरता से जांच करने और निवेशकों को धनवापसी की कार्यवाही तेज करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट की पहचान कर सुधारात्मक कदम उठाने, यातायात प्रबंधन को मजबूत बनाने और ट्रैफिक पुलिस की सक्रियता बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यातायात व्यवस्था में सुधार केवल पुलिस का नहीं बल्कि प्रशासन और समाज का साझा दायित्व है। उन्होंने सभी स्कूलों और कॉलेजों में ड्रग-फ्री कैंपस अभियान चलाने, छात्रों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता फैलाने और सामुदायिक पुलिसिंग के जरिए जनता और पुलिस के बीच भरोसे का रिश्ता मजबूत करने की आवश्यकता बताई। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने साइबर क्राइम की रोकथाम के लिए विशेष प्रशिक्षण, बीट प्रणाली की नियमित समीक्षा और 'समाधान ऐप' के प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। उन्होंने निर्देश दिया कि ग्राम सभाओं और जनसंवाद कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को पुलिस से जोड़ा जाए, ताकि लोग पुलिस को अपना मित्र और संरक्षक मानें।बैठक के अंत में उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने दो टूक कहा कि पुलिस की कार्यवाही ऐसी होनी चाहिए कि अपराधी कानून से डरें और आम जनता को भरोसा हो कि कानून-व्यवस्था उनकी सुरक्षा के लिए है। उन्होंने कहा जनता के मन में सम्मान और अपराधियों के मन में भय होना चाहिए।

22 को कर्मचारियों का महाबंद : फेडरेशन

जगदलपुर। विधानसभा चुनाव 2023 के समय सत्तासीन भाजपा सरकार के द्वारा प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी जिसके तहत केंद्र के सामान देय तिथि से महंगाई भत्ता देना तथा पिछली सरकार के समय वर्ष 2019 से महंगाई भत्ते की बकाया एरियर्स राशि को कर्मचारियों के जीपीएफ खाते में समायोजित करने सहित अन्य वादा कर्मचारियों से किया गया कि सरकार बनते ही मोदी की गारंटी को पूर्ण करेंगे। वर्तमान में धीरे-धीरे 2 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं, किंतु अब तक सरकार ने प्रदेश के कर्मचारियों के लिए मोदी की गारंटी पर कोई भी अमल नहीं किया है, जिससे कर्मचारी अपने आप को ठगा महसूस करते हुए आक्रोशित भी हैं। इसी कारण छत्तीसगढ़ कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन ने आंदोलन का ऐलान करते हुए दूसरे चरण के आंदोलन में 22 अगस्त को कर्मचारियों का महाबंद होगा। जिसमें ना तो स्कूल, कॉलेज, ऑफिस के ताले खुलेंगे, न हीं शासकीय वाहन चल सकेंगे।आगामी 22 अगस्त 2025 को कर्मचारियों का महाबंद की व्यापक स्तर पर तैयारी को लेकर आज रविवार को संध्या 4:00 बजे कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन जिला बस्तर से जुड़े हुए समस्त कर्मचारी संगठनों के अध्यक्षों सहित प्रमुख पदाधिकारी की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए संभाग अध्यक्ष गजेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सरकार हमारे धैर्य की परीक्षा ले रही है। जो वादा (मोदी की गारंटी) सरकार बनते ही पूरा करेंगे कहा वह आज 2 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं।अभी तक कोई पहल नहीं कर सरकार कर्मचारी से दोयम दर्जे का व्यवहार कर रही है। कर्मचारी वर्ग सरकार के रवैया से निराश हो चुका है।

प्रत्येक बूथ में पचास घरों में तिरंगा लगाने का लक्ष्य–वेदप्रकाश पाण्डेय

भाजपा का हर घर तिरंगा अभियान अभियान, हर वार्ड में निकलेगी तिरंगा यात्रा

पूर्वी व पश्चिमी नगर मण्डल की संयुक्त बैठक आयोजित

जगदलपुर । भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान व तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर जगदलपुर पूर्वी व पश्चिमी मण्डल की संयुक्त बैठक रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित हुई। शहर के प्रत्येक वार्ड में बूथवार तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी, साथ प्रत्येक बूथ में पचास घरों में तिरंगा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत इस अभियान में आमजन को जोड़ने कहा गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष वेद प्रकाश पाण्डेय ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि तिरंगा यात्रा व हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान का सफलतापूर्वक संचालन सभी कार्यकर्ताओं को समर्पण भाव से संपूर्ण करना है। शक्ति केन्द्र प्रभारी,संयोजक, सहसंयोजक,बूथ अध्यक्षों एवं पार्षदों को दायित्व सौंपा जा रहा है। भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता आम जन को भी अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने का प्रयास करें। यह अभियान हर भारतीय के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान जगाने का कार्य करेगा। बैठक को हर घर तिरंगा अभियान विधानसभा प्रभारी बैदूराम कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय, आर्येन्द्र आर्य, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रकाश झा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अतुल सिम्हा एवं आभार प्रदर्शन पश्चिमी नगर मण्डल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से योगेन्द्र पाण्डेय, श्रीधर ओझा, रजनीश पाणिग्रही, आलोक अवस्थी, सुरेश गुप्ता, राजेन्द्र बाजपेयी, शशि नाथ पाठक, योगेश शुक्ला, दशरथ गुप्ता, ब्रिजेश शर्मा, आशा साहू, सूर्य भूषण सिंह,संग्राम सिंह राणा, निर्मल पाणिग्रही, राणा घोष, त्रिवेणी रंधारी,कलावती कसेर, रौशन सिसोदिया, गिरिजा गुप्ता, पारूल बोथरा, गायत्री बघेल, उर्मिला यादव,संतोष गौर, श्याम सुंदर बघेल, पितामह नायक, खगेन्द्र ठाकुर, दिलीप दास, रोहित त्रिवेदी, रंजीत पाण्डेय, दिगम्बर राव, विक्रम सिंह यादव, राकेश तिवारी,राजा यादव, गीता नाग, ममता राणा, अलका सेंगर, किरण दीवान, झरना मोहंती, तेज नारायण दुबे, दिलीप झा,बंटू दुबे, शैलेष श्रीवास्तव, लाला महावर, सिकंदर दास, गणेश मानिकपुरी आदि सहित कार्यकर्ता मौजूद रहे।

खैरागढ़ में मानसिक रूप से अस्वस्थ युवक की कार में दम घुटने से मौत

खैरागढ़। शहर में एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां मानसिक रूप से अस्थिर एक युवक की बंद कार में दम घुटने से मौत हो गई। यह घटना रविवार की रात वार्ड क्रमांक 19 में हुई, जब राजनांदगांव से आई एक ग्रैंड विटारा कार गलती से अनलॉक रह गई थी। युवक उसी कार में घुस गया और बाहर से दरवाजा बंद हो गया। देर रात जब कार मालिक ने दरवाजा खोला, तो युवक मृत अवस्था में मिला।

स्थानीय लोगों के मुताबिक, युवक पिछले काफी समय से शहर की गलियों में अकेला घूमता देखा जाता था। वह किसी से संवाद नहीं करता था और उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पूर्व में भी वह कई बार अनजाने में घरों और मंदिरों में घुस जाता था।घटना की सूचना मिलने पर थाना प्रभारी अनिल शर्मा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और शव को खैरागढ़ अस्पताल भिजवाया गया। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया आज की जाएगी। पुलिस ने जानकारी दी कि युवक के इलाज के लिए पहले भी प्रयास किए गए थे। उसे बिलासपुर ले जाने की कोशिश की गई थी, लेकिन प्रशासनिक और तकनीकी बाधाओं के चलते उसे अस्पताल में भर्ती नहीं किया जा सका। इसके बावजूद पुलिस उसे सहायता देने का लगातार प्रयास करती रही।

बताया जा रहा है कि युवक के परिवार में अब केवल उसकी वृद्ध दादी ही जीवित हैं। हाल ही में उसके दादा का निधन हो चुका है, और दादी भी कमजोर व असहाय स्थिति में हैं। यह दुखद घटना एक बार फिर इस ओर इशारा करती है कि छोटे शहरों में मानसिक रूप से बीमार लोगों के लिए पर्याप्त और स्थायी इलाज की व्यवस्था अब भी नाकाफी है।

आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में कम्युनिटी समर्थित लाइब्रेरी थाती भविष्य में रंग लाएगी- कलेक्टर

धमतरी । शासन की कोई भी योजना तभी सफल होती है जब आम आदमी उसका समर्थन करे। बिना जन समर्थन के कितनी भी अच्छी योजना का परिणाम सकारात्मक नहीं आता। इसी बात को ध्यान में रखकर सेजेस सिंगपुर के शिक्षकों ने लाइब्रेरी को कम्युनिटी के समर्थन एवम सहयोग से सशक्त बनाने का निर्णय लेते हुए आम पालकों को इससे जोड़कर इसे प्रभावी बनाने का निर्णय लिया। एस एम डी सी एवम आम पालकों के साथ कई दौर की बातचीत हुई। सर्व समाज प्रमुखों के साथ पृथक पृथक बैठकें की गई। स्कूली पालक और गैर स्कूली पालकों को भी इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया गया। सभी पालकों को इसके दूरगामी परिणाम के बारे में बताया गया। बच्चों के विकास में पुस्तक के महत्व को लेकर कई डॉक्युमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन कर सामूहिक चर्चा की गई। चर्चा परिचर्चा के बाद आम सहमति बनी कि बच्चों के लिए एक सशक्त लाइब्रेरी स्थापित की जाए ताकि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे गाँव में रहकर ही विभिन्न प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर सकें। योजना पालकों को पसंद आई। अब इस अभियान से सैकड़ों पालक स्वयमेव जुड़ रहे हैं। खास बात यह है कि इस अभियान से ऐसे भी पालक जुड़ रहे हैं जिनके बच्चे स्कूल में नहीं पढ़ते। इसका सर्वोत्तम उदाहरण प्रस्तुत करते हुये पूर्व जनपद सदस्य श्रीमती कृष्णा गंगासागर एवम ग्राम पटेल जितेंद्र गंगासागर ने सपरिवार छोटे बेटे स्वर्गीय तारेंद्र गंगासागर की स्मृति में छलकते आंसुओं के बीच कलेक्टर के समक्ष इस महा अभियान को और भी तेज कर दिया। उन्होंने स्कूल में आयोजित संगोष्ठी कार्यक्रम में दर्जन भर प्रतियोगी परीक्षा की स्तरीय किताबें थाती के लिए कलेक्टर को सौंपी । जितेंद्र गंगासागर ने लोगों को आह्वान किया कि अपने दादा दादी की याद में,विवाह के वर्षगाँठ पर ,माता पिता की पुण्य तिथि में,भाई -बहन की स्मृति में विद्यालय को ज्यादा से ज्यादा पुस्तक भेंटकर पुण्य के भागी बनें। पुस्तकें भेंट करने बच्चों के ज्ञान यज्ञ में आहुति डालने से कहीं ज्यादा पुण्य का काम है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने इस अभियान के लिए गंगासागर परिवार को साधुवाद देते हुए कहा कि आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में ऐसे जागरूक पालकों की यह पहल मील का पत्थर साबित होगा। उपस्थित

विधायक बोहरा ने निःशुल्क बस सेवा, छात्राओं, परिजनों और ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत

छात्राओं के लिए नई उम्मीद और परिजनों के आंखों में बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के सपने लेकर गांव-गांव पहुंची पंडरिया

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित महाविद्यालयीन छात्राओं हेतु निःशुल्क बस सेवा का संचालन प्रारम्भ, छात्राओं,परिजनों और ग्रामीणों ने पूजा कर बस का किया भव्य स्वागत

पंडरिया विधानसभा अंतर्गत महाविद्यालय में पढ़ने वाली छात्राओं को सुगम व सुरक्षित आवागमन की सुविधा हेतु विधायक भावना बोहरा द्वारा संचालित 8 निःशुल्क बस सेवा का संचालन 11 अगस्त से प्रारंभ हुआ। इसके पूर्व 10 अगस्त को भावना बोहरा ने सभी बसों की पूजा कर छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। भावना बोहरा द्वारा इस निःशुल्क बस सेवा के माध्यम से विधानसभा की 1000 हजार छात्राओं को लाभ पहुंचाने एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की राह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखा गया है।

आज बस प्रारम्भ होने के साथ ही कवर्धा,पिपरिया, सहसपुर लोहारा,पंडरिया एवं पांडातराई महाविद्यालय में पढ़ने वाली उन ग्रामीण क्षेत्रों की छात्राओं को लाभ मिल रहा है जो आवागमन के अभाव में अपने आगे की शिक्षा ग्रहण करने में असमर्थ थी। इसके साथ ही उनके परिजनों को आर्थिक व मानसिक रूप से भी सम्बल मिल रहा है जो अपनी बेटियों की शिक्षा और उनके सुरक्षित आवागमन की सुविधा को लेकर संशय में रहते थे। विदित हो कि पूर्व में भावना बोहरा द्वारा 3 निःशुल्क बसों का संचालन किया जा रहा था। भावना दीदी की गारंटी में उन्होंने संकल्प किया था कि इन बसों का विस्तार पूरे पंडरिया विधानसभा में किया जाएगा। अपने संकल्प को पूरा करते हुए 6 जुलाई को अतिरिक्त 5 निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ किया गया इस प्रकार कुल 8 निःशुल्क बस सेवा का संचालन पंडरिया विधानसभा की छात्राओं को घर से महाविद्यालय एवं महाविद्यालय से घर आने-जाने हेतु सुरक्षित व सुगम आवागमन की सुविधा मिल रही है।

जैसे-जैसे बसें अपने गंतव्य की ओर बढ़ रही थी छात्राओं, उनके परिजनों और ग्रामवासियों में उत्साह देखने को मिला। सभी ने बसों के आगमन पर उनका स्वागत कर पूजा-अर्चना की और पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा बेटियों को शिक्षित कर आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाने के लिए इस सार्थक प्रयास हेतु उनका आभार व्यक्त किया। परिजनों के चेहरे पर सुकून भारी मुस्कान थी तो वहीं छात्राओं में अपने सुरक्षित व उज्ज्वल भविष्य की चमक स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

इस अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि यह मेरे लिए अत्यंत ही भावनात्मक एवं सुखद क्षण है। भावना दीदी की गारंटी में हमने क्षेत्र की बेटियों के सशक्तिकरण और उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए जो संकल्प किया था आज वह पूरी हुई।

आदि कर्मयोगी अभियानः रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम की रायपुर में हुई शुरूआत

मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन 12 अगस्त को करेंगे कार्यक्रम का उद्घाटन

रायपुर। जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के मुख्य तत्वाधान में आदि कर्मयोगी अभियान-रेस्पॉन्सिव गवर्नेंस प्रोग्राम की रायपुर में आज शुरूआत हुई। इस महत्वाकांक्षी अभियान में बीआरएलएफ (भारत ग्रामीण आजीविका मिशन) द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जा रहा है, जबकि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग इसका आयोजक है।

इस अभियान का मुख्य उद्देश्य जनजातीय विकास और परिवर्तन के लिए व्यक्तियों और संस्थाओं को सशक्त बनना है, ताकि जमीनी स्तर पर आ रही समस्याओं को जानकर उन्हें दूर करने के लिए एक प्रभावी योजना बनाई जा सके। इसी के अंतर्गत आज स्टेट प्रोग्रेसिव लैब की शुरूआत होटल बेबीलॉन इन्टरनेशनल, रायपुर में शुरूआत हुई। इस अभियान के अंतर्गत जिला मास्टर्स ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाना है। दो चरणों में संपादित होने वाले इस कार्यक्रम का प्रथम चरण 11 से 14 अगस्त एवं दूसरा चरण 18 से 21 अगस्त तक आयोजित किया जाना है। प्रथम चरण में आज तीन संभाग बिलासपुर, रायपुर एवं दुर्ग के जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित हुए। आज का सेशन बहुत ही उपयोगी एवं रोमांचक रहा इसमें उपस्थित मास्टर ट्रेनर्स के मध्य कुछ एक्टीविटीस करवाई गई एवं उनके सुझाव आमंत्रित किये गये। मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण के प्रथम चरण के अंतर्गत आदिम जाति विभाग, शिक्षा विभाग पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के 100 से अधिक चयनित मास्टर ट्रेनर्स उपस्थित हुए।

धान बिक्री और योजनाओं के लाभ के लिए एग्रीस्टैक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य

रायपुर। राज्य शासन द्वारा किसानों को शासकीय योजनाओं का लाभ आसानी से दिलाने के लिए एकीकृत किसान पोर्टल को अब एग्रीस्टैक पोर्टल से जोड़ा गया है। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के लिए सभी किसानों को इस पोर्टल पर पंजीयन कराना जरूरी होगा। जिन किसानों ने पहले धान बेचने के लिए पंजीयन कराया था, उन्हें भी संशोधन या कैरी फारवर्ड से पहले एग्रीस्टैक पोर्टल पर पंजीयन कराना अनिवार्य होगा। बिना एग्रीस्टैक पंजीयन के कोई भी किसान धान विक्रय के लिए पात्र नहीं होगा। यह पंजीयन किसान नजदीकी लेम्प्स (सहकारी समिति) या ग्राहक सेवा केंद्र में निःशुल्क करवा सकते हैं।

कृषक उन्नति का मिलेगा लाभ

एग्रीस्टैक पोर्टल में पंजीकृत किसानों को कृषक उन्नति योजना का भी लाभ मिलेगा। इस योजना के तहत पिछले खरीफ में पंजीकृत किसानों को, जिन्होंने धान की जगह अन्य खरीफ फसलें लगाई थीं और उनकी गिरदावरी में पुष्टि हुई है, उन्हें प्रति एकड़ 11,000 रुपये की दर से आदान सहायता राशि दी जाएगी। वहीं, यदि किसान दलहन, तिलहन, मक्का, लघु धान्य (जैसे कोदो, कुटकी, रागी) या कपास की खेती करते हैं, तो उन्हें प्रति एकड़ 10,000 रुपये की सहायता राशि प्रदान की जाएगी, बशर्ते कि पंजीयन और गिरदावरी दोनों सही हो। किसानों से अपील की गई है कि वे शासन की योजनाओं का लाभ उठाने के लिए जल्द से जल्द एग्रीस्टैक पोर्टल में अपना पंजीयन करवाएं। यह प्रक्रिया पूरी तरह निःशुल्क है और किसानों की सुविधा के लिए नजदीकी केंद्रों पर उपलब्ध है।

भारत सरकार ने कृषि के लडि बनाया पोर्टल

गौरतलब है कि कि एग्रीस्टैक एक डिजिटल इकोसिस्टम है, जिसे भारत सरकार ने कृषि क्षेत्र के लिए विकसित किया है। इसका उद्देश्य किसानों की समस्त जानकारी जैसे पहचान, भूमि रिकॉर्ड, आय, कर्ज, फसल की जानकारी, और बीमा इतिहास आदि को एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इकट्ठा करना है। हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान यानी किसान आईडी मिलेगी, जो उनके आधार से लिंक होती है।

शासकीय योजनाओं में पारदर्शिता बरतते हुए हितग्राहियों को इसका लाभ निर्धारित समय-सीमा में करें प्रदान - कलेक्टर

कलेक्टर ने वन,उद्योग,खनन, कौशल विकास विभाग, लाईवलीहुड कॉलेज, जिला अंतव्यवसायी सहकारी विकास समिति की ली समीक्षा बैठक

जशपुरनगर । कलेक्टर श्री रोहित व्यास ने आज कलेक्टोरेट समाकक्ष में वन विभाग, उद्योग विभाग, श्रम विभाग, खनन विभाग, कौशल विकास, लाईवलीहुड कॉलेज जिला अंतव्यवसायी सहकारी विकास समिति और बैंक के अधिकारियों की बैठक लेकर उनके विभागों द्वारा संचालित विकासमूलक योजनाओं और कार्यक्रमों की विस्तार से समीक्षा की। इसके साथ ही कलेक्टर ने समय-सीमा में आए प्रकरणों के निराकरण, पेंशन प्रकरण, समयमान वेतनमान, विभागीय जांच, सुशासन तिहार के दौरान आए आवेदनों के निराकरण की स्थिति और 15 साल से पुराने हो चुके वाहनों की निलामी के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने सभी अधिकारियों का निर्देश दिए की यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए की जनहित में संचालित शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का लाभ पूरी पारदर्शिता के साथ पात्र हितग्राहियों को समय में प्राप्त हो। कार्यों में लापरवाही या देरी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पेंशन प्रकरण के मामले में पूरी गंभीरता बरतते हुए तय समयसीमा में पूरा करें। इसके साथ ही उन्होंने विभागीय जांच की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए की जांच में पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ प्रत्येक मामले को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने 15 वर्ष से पुराने शासकीय वाहनों की निलामी की प्रगति की भी समीक्षा की और बचे हुए वाहनों की निलामी प्रक्रिया नियमानुसार शीघ्र कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने समयसीमा में आए प्रकरणों को प्राथमिकता के साथ समयसीमा में पूर्ण करने हेतु अधिकारियों को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री व्यास ने उद्योग विभाग और जिला अंतव्यवसायी सहकारी विकास समिति से उनके विभाग द्वारा योजनाओं के माध्यम से व्यवसाय, उद्योग और रोजगारमूलक गतिविधियों के लिए दी जाने वाली सहायता की जानकारी ली और ज्यादा से ज्यादा लोगों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही कलेक्टर ने कौशल विकास विभाग और लाईवलीहुड कॉलेज के द्वारा विभिन्न रोजगार और स्वरोजगार के लिए चलाए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों और प्लेसमेंट की जानकारी ली और कहा की इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाए, ताकि रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं को इसका लाभ मिले। कलेक्टर श्री व्यास ने लीड बैंक मैनेजर से दूरस्थ क्षेत्रों में भी बैंकिग सेवा का लाभ मिले इसके लिए नई शाखा खोले जाने के संबंध में चर्चा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक : उपमुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव के नेतृत्व में आज मुंगेली जिले के ग्राम डिंडौरी से ग्राम सेमरसल तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। स्थानीय रहवासियों ने बड़ी संख्या में इसमें भागीदारी की। पूरी यात्रा के दौरान हाथों में लहराते तिरंगे और देशभक्ति के नारों से गांव, रास्ते और गलियां देशप्रेम की भावना से सराबोर रहीं। नागरिकों में देशभक्ति की भावना विकसित करने तथा राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान बढ़ाने 15 अगस्त तक ''हर घर तिरंगा'' अभियान का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत लोगों को स्वतंत्रता दिवस पर 15 अगस्त को अपने घर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने तिरंगा यात्रा का नेतृत्व करते हुए कहा कि तिरंगा हमारी एकता, अखंडता और गौरव का प्रतीक है। ''हर घर तिरंगा'' अभियान का उद्देश्य देश के प्रत्येक नागरिक को यह संदेश देना है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि हमारे स्वाभिमान और बलिदान की पहचान है। उन्होंने सभी लोगों से ''हर घर तिरंगा'' अभियान को सफल बनाने की अपील की। डिंडौरी से प्रारंभ हुई तिरंगा यात्रा गोंडखाम्ही, लोरमी, डिंडोल, विचारपुर, सुकली, नवागांव जैत, पैजननिया, कोतरी, मसनी, मसना, तेलिया पुराण और बटहा होते हुए सेमरसल में समाप्त हुई। इस दौरान रास्ते भर भारत माता की जय और वंदे मातरम के गगनभेदी नारे गूंजते रहे। हर गांव तिरंगे में रंग गया, जगह-जगह राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान हुआ और हर दिल में देश के प्रति गर्व व आदर की लहर उमड़ पड़ी। स्थानीय जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक तथा शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के लोग बड़ी संख्या में तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियां शैक्षणिक संस्थाओं में जोर शो से हो रही

रायपुर । 79वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजधानी सहित पूरे प्रदेश एवं देश में स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाए जाने की तैयारियां चल रही है। इस संबंध में स्कूल कालेजों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों देशभक्तिपूर्ण गीत नृत्य एवं परेड ग्राउंड में भाग लेने के लिए निरंतर अभ्यास जारी है। ज्ञातव्य है कि स्वतंत्रता दिवस के दिन रायपुर में जोर शोर से आजादी का जश्न मनाने की परंपरा रही है।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण संपर्क होगा बेहतर, केंद्र से मिली 195 करोड़ की मंजूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दुर्गम और वनवासी अंचलों में ग्रामीण संपर्क और आधारभूत संरचना को सशक्त बनाने की दिशा में भारत सरकार ने एक बड़ा कदम उठाया है। केंद्र ने सड़क संपर्क परियोजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए छत्तीसगढ़ को 195 करोड़ की केंद्रीय सहायता राशि स्वीकृत की है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह स्वीकृति छत्तीसगढ़ के उन सुदूर अंचलों में विकास का नया प्रकाश लेकर आएगी, जो दशकों से नक्सल हिंसा और भौगोलिक दुर्गमता से जूझते रहे हैं। सीएम ने कहा कि यह राशि वहां के लोगों के लिए विकास, विश्वास और स्थायी शांति की सशक्त आधारशिला सिद्ध होगी। हमारी सरकार इस निधि का उपयोग पूर्ण पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ करेगी।यह स्वीकृति वित्त मंत्रालय की 'जस्ट-इन-टाइम' फंड रिलीज़ प्रणाली के अंतर्गत सिंगल नोडल एजेंसी स्पर्श मॉडल के माध्यम से दी गई है।

कुल 195 करोड़ में से 190.6125 करोड़ कार्यक्रम निधि और 4.3875 करोड़ प्रशासनिक निधि के रूप में स्वीकृत किए गए हैं, जो भारतीय रिज़र्व बैंक के माध्यम से राज्य को प्राप्त होंगे। स्पर्श दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी समय केवल एक सक्रिय मदर सैंक्शन मान्य रहेगा, और पूर्व शेष राशि को इसी में समाहित किया जाएगा।यह निधि विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों दंतेवाड़ा, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर, कांकेर, बस्तर, राजनांदगांव, बलरामपुर, कोंडागांव और जशपुर के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन ऑल-वेदर सड़कों, मौजूदा मार्गों के सुदृढ़ीकरण, सेतु निर्माण और क्रॉस-ड्रेनेज संरचनाओं के विकास के लिए दी गई है।इन संरचनाओं के माध्यम से बस्तियों को ब्लॉक व जिला मुख्यालयों, बाजारों, विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों से जोड़ा जाएगा, जिससे शासन की पहुंच और सामाजिक-आर्थिक गतिविधियों में उल्लेखनीय सुधार होगा। विशेषकर बाढ़ग्रस्त और वर्षा ऋतु में अवरुद्ध हो जाने वाले क्षेत्रों में यह संपर्क संरचना जीवनरेखा का कार्य करेगी।'निधियों का उपयोग त्वरित रूप से हो'

मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की पहली महिला सांसद मिनीमाता की पुण्यतिथि पर उनके अविस्मरणीय योगदान को किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला सांसद और महान समाजसेविका स्वर्गीय मिनीमाता जी की पुण्यतिथि पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनका जीवन निस्वार्थ सेवा, अटूट साहस और सामाजिक परिवर्तन का जीवंत प्रतीक है। उन्होंने कहा कि मिनीमाता जी ने वंचित वर्गों, महिलाओं, दलितों और गरीबों के अधिकारों की रक्षा को अपने जीवन का उद्देश्य बनाया और समाज में सम्मान, समानता एवं न्याय की नींव मजबूत की।मुख्यमंत्री श्री साय ने स्मरण किया कि संसद में अपने कार्यकाल के दौरान मिनीमाता जी ने बाल विवाह, दहेज प्रथा और छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध सशक्त और निर्भीक स्वर उठाया। उन्होंने मजदूरों के अधिकारों की रक्षा, महिला शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समानता की स्थापना के लिए जो योगदान दिया, वह इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में दर्ज है। उनकी सादगी, संवेदनशीलता और सेवाभाव ने उन्हें जनमानस में अमिट स्थान दिलाया।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मिनीमाता जी की विचारधारा केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के वर्तमान और भविष्य के लिए प्रकाशस्तंभ की तरह है। उन्होंने आह्वान किया कि हम सभी उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर, भाईचारे, समानता और न्याय पर आधारित एक सशक्त, समावेशी और प्रगतिशील छत्तीसगढ़ के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

लोकनिर्माण, सिंचाई पीएचई में प्रमुख अभियंता का चालू प्रभार से भ्रष्टाचार को बढ़ावा

मेडिकल कालेज में पूर्णकालीक अधिकारियों की नियुक्ति नहीं होने से भ्रष्टाचार बढ़ रहा

रायपुर । प्रदेश में इन दिनों लोक निर्माण सिंचाई तथा लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी सहित विभिन्न विभागों में चालू प्रभार का खेल चल रहा है जिसके चलते भ्रष्टाचार और बढ़ता जा रहा है। वहीं पुलिस महकमें में पूर्णकालीन डीजीपी नहीं है तो मेडिकल कालेज डीन एवं विशेष विशेषज्ञ नहीं होने से कार्य प्रभावित हो रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार जल संसाधन विभाग के प्रमुख अभियंता विजय कुमार उइके को चालू प्रभार दिया गया है इतना ही नहीं उन्हें वित्तीय अधिकार दे दिया गया है। जल संसाधन विभाग इस समय चर्चा में है। इस समय करोड़ों रुपये की लागत से कई योजनाएं संचालित हो रही है। मंत्रियों को आम के आम गुथली के दाम कहावत चरितार्थ हो रही है। सभी भार साधक मंत्री अपने अपने पसंद का काम करवा लेते हैं। वहीं अधिकारियों को भी लेनदेन में सुविधा हो रही है। मन पसंद पोस्टिंग पाने के लिए वे जुगाड़ जमा रहे हैं। लोक निर्माण विभाग में भी यही हाल है भतपहरी जो की अवकाश ग्रहण कर चुके हैं उन्हें विभाग के प्रमुख पर चालू प्रभार दे दिया गया है। यहां पर भी करोड़ों रुपये का बजट है जिसमें काफी लेनदेन होने की संभावना है इन विभागों में स्थायी कर्मचारी लाना चाहिए। मंत्री से लेकर ओएलडी अपना मनपसंद काम करवा लेते हैं। प्रदेश में 13 मेडिकल कालेज है जिनमें से आठ शासकीय है यहां पर भी प्रभारी डीन नियुक्त किये गये हैं। प्रभारियों एवं विषय विशेषज्ञों का टोटा है। प्रदेश में कुल 12 सौ विशेषज्ञ चाहिए लेकिन ढाई सौ स्थायी पद पर कार्यरत है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में भी अब नये प्रमुख अभियंता को लेकर चर्चा चल रही है। यहां पर वर्तमान अभियंता को चालू प्रभार देने का प्रयास चल रहा है। यह विभाग लोकस्वास्थ्य यांत्रिकी अरूण साव के पास में है। स्कूल शिक्षा विभाग में कई वर्षों से पदोन्नति नहीं हुई है। 33 सौ स्कूल प्रभारी प्रचार्य के भरोसे चल रहे है वहीं 33 जिलों में 31 जिला शिक्षा अधिकारी प्रभार पर है। जब चाहा इसे बना दिया जब चाहा उसे हटा दिया गया। व्याख्याताओं की भी यही स्थिति है। ज्ञात रहे राज्य में इस समय चालू प्रभार होने से यहां भ्रष्टा चार बढ़ रहा है वहीं स्थायी अधिकारियों पदस्थ नहीं किया जा रहा है पुलिस महकमें भी पूर्णकालीन डीजीपी नहीं बनाया गया है। यहां पर अरूणदेव गौतम काम कर रहे हैं। लेकिन उन्हें स्थायी रूप से नियुक्त नहीं करने के कारण वे कामकाज में रूचि नहीं ले रहे हैं। जिसके कारण पीचएचक्यु का कामकाज प्रभावित हो रही है।

प्रेमनगर विकास खंड में निकला तिरंगा यात्रा क्षेत्रीय विधायक भूलन सिंह मरावी हुवे शामिल

प्रेमनगर । प्रेमनगर विकास खंड में तिरंगा यात्रा क्षेत्रीय भूलन सिंह मरावी शामिल हुवे प्रेमनगर विकास खंड के समस्त ग्राम पंचायत के आम जन शामिल हुवे आपको बतादें की जबसे तिरंगा यात्रा गांव गांव में निकाला जा रहा है और हर घर तिरंगा घर घर तिरंगा के तहत हर घर में तिरंगा लगाया जाता है तभी से आम जन में राष्ट्रीयता का पहचान बन रहा है लोगों में तिरंगा झंडा के प्रति लोगों में जागरूकता आ रहा है आमजनों को तिरंगा यात्रा निकालने से लोगों में देशभक्ति का भाव जागरण हुआ है तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष मुरलीमनोहर सोनी जिला मंत्री संदीप अग्रवाल शशिकांत गर्ग भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बीरेंद्र जायसवाल जिला पंचायत सदस्य नयन सिरदार पूर्व जिला पंचायत सदस्य अजय श्याम जगमोहन सिंह मंडल महिला मोर्चा प्रदेशकार्यसमिति सदस्य पूर्णा जायसवाल अध्यक्ष मिथिला बंजारा जनपद अध्यक्ष फुलेश सिरदार उपाध्यक्ष पूनिया राजवाड़े कंचन श्याम सुमित दास रामनारायण तंवर किरण साहू शांति कुजूर युवा मोर्चा मंडल महामंत्री प्रदीप साहू सुभाष साहू अखिलेश साहू विवेक पांडेय अनुविभागीय अधिकारी तहसील दार मुख्य कार्यपालन अधिकारी ।

सघन जांच अभियान चलाकर उर्वरक की कालाबाजारी पर करें कार्यवाही : कलेक्टर

कृषि विभाग के साथ ही एसडीएम व तहसीलदार क़ो छापेमारी के निर्देश

उर्वरक से सम्बधित समस्या या शिकायत के लिए जिला कंट्रोल रूम से कर सकते हैं संपर्क

बलौदाबाजार भाटापारा जिले के कलेक्टर दीपक सोनी ने सोमवार को जिले के सहकारी समितियों में उर्वरक भण्डारण एवं वितरण तथा कृषि सेवा केंद्रों द्वारा निर्धारित दर पर विक्रय को लेकर समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देशित किया कि किसानों को उर्वरक लेने में किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े। निजी दुकानों द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वकर का विक्रय किया जाए। कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि कृषि विभाग सहित एसडीएम एवं तहसीलदार भी सेवा केंद्रों में छापेमारी कर उर्वरक की कालाबाजारी पर कड़ी कार्यवाही करें। लगातार जांच अभियान चलाएं और अनियमिता पर कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि किसानों को मांग के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराएं। उर्वरक लेने में कोई समस्या न आने दें। निजी विक्रेताओं पर कड़ी निगरानी रखें। सभी विक्रेताओ को उर्वरक विक्रय का बिल किसानों को देना होगा। प्रतिदिन उर्वरक भण्डारण और वितरण स्टॉक रजिस्टर में दर्ज करना होगा तथा पॉस से पावती की क्लियरेंस भी करना होगा। बताया गया कि जिले में लगभग 2000 मेट्रिक टन यूरिया की आवश्यकता है वहीं 200 मेट्रिक टन यूरिया सोमवार को मिलने वाला है। 529 टन डीएपी डबल लॉक में उपब्ध है।निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक विक्रय हो- कलेक्टर श्री सोनी ने कहा कि छतीसगढ़ राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक का विक्रय सहकारी समितियों और कृषि सेवा केंद्रों में होनी चाहिए। खरीफ 2025 हेतु रासायनिक उर्वरक विक्रय के लिए निर्धारित मूल्य अनुसार यूरिया 266.50 रुपये प्रति बोरा, डीएपी 1350 रुपये प्रति बोरा,एमओपी 1535 रुपये प्रति बोरा,एनपीके (12:32:16 नवीन स्कन्ध) 1720 रुपये प्रति बोरा,एनपीके (20:20:0:16 नवीन स्कन्ध) 1300 रुपये प्रति बोरा, एसएसपी (पावडर) 474 रुपये प्रति बोरा है। कंट्रोल रूम से कर सकते हैं सम्पर्क - सहकारी समिति या निजी दुकानों में उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या या कोई शिकायत हो टो जिला कंट्रोल रूम संपर्क केंद्र नंबर +91-9201899925 पर सूचित कर सकते है।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप तिरंगा यात्रा में हुए शामिल 'हर घर तिरंगा अभियान' में अधिक से अधिक सहभागिता की अपील की

मर्दापाल में 96 लाख रूपए के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं भूमिपूजन

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप आज कोण्डागांव जिले के मर्दापाल में आयोजित हर घर तिरंगा अभियान के तहत भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल हुए। इस यात्रा में 200 मोटर साइकिल में देशभक्ति के नारों के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक शामिल हुए। इस अवसर पर आयोजित लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में वन मंत्री श्री कश्यप ने क्षेत्रवासियों को 96 लाख रुपये की लागत से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी।

वन मंत्री श्री कश्यप ने समारोह में ग्रामीणों से 'हर घर तिरंगा अभियान' में सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए देश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि देश की आज़ादी के लिए हमारे महापुरुषों ने अपने प्राणों का बलिदान दिया। आजादी के महत्व को नई पीढ़ी तक पहुँचाना आवश्यक है, ताकि वे गर्व और सजगता के साथ देश की अखंडता बनाए रखें। उन्होंने विद्यालयों में बच्चों को देशभक्ति के पाठ पढ़ाने, राष्ट्रीय महत्व के विषयों एवं प्रमुख तिथियों की जानकारी देने पर जोर दिया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत की जो संकल्पना की गई है, उसे साकार करने में सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ हमारी सरकार पूर्ण प्रतिबद्धता से राज्य के विकास के लिए कार्य कर रही है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की, जिसके अंतर्गत ग्राम हतकली में हाई स्कूल की स्वीकृति, ग्राम मलनार और मंगवाल, चांगरे में हैण्ड पम्प, ग्राम खोड़सानार में मोबाइल टावर, ग्राम खण्डाम, चेरंग, मांझीपारा (पुसपाल) और टेकापाल में देवगुड़ी निर्माण, ग्राम चमई में माध्यमिक शाला तथा एकलव्य विद्यालय कांगा और कन्या हायर सेकेण्डरी विद्यालय में वाद्य यंत्र की स्वीकृति शामिल है। लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने क्षेत्रवासियों को 96 लाख रुपए की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों की सौगात दी, जिसमें लखपुरी में 5 लाख 47 हजार रूपए की लागत से वनरक्षक आवास भवन निर्माण कार्य, मर्दापाल में 15 लाख 32 हजार रूपए की लागत से परिक्षेत्र अधिकारी भवन निर्माण कार्य, गोलावण्ड में 8 लाख 5 हजार रूपए की लागत से वनपाल आवास भवन निर्माण कार्य, ग्राम हंगवा नाला में 15 लाख 30 हजार रूपए की लागत से स्टाप डेम निर्माण कार्य का लोकार्पण शामिल है। इसी प्रकार ग्राम मुलनार में 13 लाख 98 हजार रूपए की लागत से 2 पुलिया निर्माण कार्य, ग्राम कोरमेल में 23 लाख 51 हजार रूपए की लागत से बाजार शेड निर्माण कार्य एवं सीसी रोड तथा गार्बेज डिस्पोजल प्रावधान कार्य, ग्राम हसलनार में 6 लाख 99 हजार रूपए की लागत से पुलिया निर्माण कार्य का भूमि पूजन शामिल है।

स्वतंत्रता दिवस पर सीएम साय रायपुर, तोखन बस्तर में झंडा फहराएंगे

रायपुर । स्वतंत्रता दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के पुलिस लाइन मैदान में झंडा फहराएंगे। वहीं केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू बस्तर में झंडा फहराएंगे। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह राजनादगांव में ध्वजारोहण करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों ध्वजारोहण की सूची जारी कर दी है। राजधानी रायपुर में स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह प्रातः 9 बजे से पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित होगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय राष्ट्रीय ध्वज फहराएंगे तथा जनता के नाम संदेश देंगे। समारोह में संयुक्त परेड द्वारा मुख्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर भी प्रदान किया जाएगा। रायपुर में आयोजित मुख्य समारोह की परेड का दायित्व पुलिस महानिरीक्षक, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल के अधीन रहेगा। परेड में बी.एस.एफ, सी.आर.पी.एफ, सी.आई.एस.एफ, आई.टी.बी.पी., एस.एस.बी., छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल (महिला एवं पुरुष), नगर सेना, एन.सी.सी. कैडेट्स आदि की टुकड़ियां सम्मिलित होंगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा पदक एवं पुरस्कार वितरित किए जाएंगे।

अन्य मंत्री यहां फहराएंगे झंडा

बिलासपुर में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, दुर्ग में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, सरगुजा में मंत्री रामविचार नेताम, गरियाबंद में मंत्री दयालदास बघेल, बालोद में केदार कश्यप, कोरबा में लखनलाल देवांगन, जशपुर में श्याम बिहारी जायसवाल, रायगढ़ मे ओपी चौधरी, सूरज पुर में लक्ष्मी राजवाड़े, जांजगीर-चांपा टंकराम वर्मा झंडा फहराएंगे।बलौदाबाजार में बृजमोहन अग्रवाल, बेमेतरा विजय बघेल, कवर्धा संतोष पांडेय, बलरामपुर चिंतामणि महराज, महासमुंद रूप कुमारी चौधरी, बिलाईगढ़ राधेश्याम राठिया, सक्ती कमलेश जांगड़े, बीजापुर में महेश कश्यप, कांकेर में भोजराज नाग, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई में देवेंद्र प्रताप सिंह झंडा फहराएंगे।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

संपादकीय

आसिम मुनीर फौजी वर्दी में ओसामा बिन लादेन

विदेश मंत्रालय ने दुनिया के तमाम मुल्कों से कहा कि पाकिस्तान में परमाणु बम आतंकवादियों के हाथ में है, दुनिया इस बात पर गंभीरता से विचार करे कि पाकिस्तान के परमाणु बम कितने सुरक्षित हैं? जिस पाकिस्तान में सरकार और फौज पूरी तरह आतंकवादियों के साथ हो, उस देश के एटमी हथियार क्या पूरी दुनिया के लिए खतरा नहीं हैं? जनरल मुनीर की एटम बम की धमकी का मतलब क्या है? सिंधु जल संधि स्थगित होने से जनरल क्यों बेचैन है? दिलचस्प बात ये है कि इसी तकरीर में जनरल मुनीर ने अपने मुल्क को पत्थरों से लदा एक खटारा ट्रक और भारत को एक चमचमाती मर्सिडीज कार बताया और डींग हांकी कि अगर इन दोनों के बीच टक्कर होती है तो किसे ज्यादा नुकसान पहुंचेगा। आसिम मुनीर अपने बयान को लेकर चौतरफा घिर गये हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के पूर्व अधिकारी माइकल रुबिन ने कहा है कि मुनीर के बयान को पढ़ कर लगता है मानो ÷वो सूट पहने हुए ओसामा बिन लादेन हों।

गुरुर की क्या अहमियत जिंदगी में

अपनी संवेदनाओं को जिंदा रखिए,
मन की भावनाओं को जिंदा रखिए।

संबंधों की गुप्त ऊष्मा बनाये रखिए,
अहसासों के दर्द को जिंदा रखिए,

चुप्पी दफ्न करती कोमल रिश्तों को,
लफ्जों की ममता को जिंदा रखिए।

घरों में बटवारे की खिची हैं तलवारे,
दिल की मोहब्बत को जिंदा रखिये,

लालच ने लगाई सगे रिश्तों में सेंध,
बचपन की शरारत को जिंदा
रखिए,

दुष्कर हो जब का सफर जिंदगी का
साथ मां की दुआओं को जिंदा रखिए.

गुरुर की क्या अहमियत जिंदगी में ,
दिलों में मासूम बच्चा जिंदा रखिए।

- संजीव ठाकुर

QR CODE SCAN
कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन

PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

युवा : वर्तमान की क्रांति एवं शांति के वाहक

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस केवल एक कैलेंडर की तारीख नहीं है, बल्कि यह हमें याद दिलाता है कि आज की दुनिया में परिवर्तन का सबसे बड़ा वाहक युवा हैं। यह दिन संयुक्त राष्ट्र ने युवाओं के अधिकार, अवसर और योगदान को मान्यता देने के लिए तय किया है, लेकिन इसकी वास्तविक सार्थकता तभी है जब हम युवाओं को केवल 'भविष्य के नेता' कहकर टालें नहीं, बल्कि उन्हें वर्तमान का निर्णायक शक्ति केंद्र मानें। आज भारत की आबादी में लगभग 65 प्रतिशत हिस्सा 35 वर्ष से कम उम्र का है। यह केवल सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि संभावनाओं का महासागर है। लेकिन इन संभावनाओं को दिशा देने के लिए केवल शिक्षा या नौकरी पर्याप्त नहीं; दृष्टि, मूल्यों और संकल्प की भी उतनी ही आवश्यकता है। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष में सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। युवा, शांति और सुरक्षा पर सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव 2250 (9 दिसंबर 2015) शांति को बढ़ावा देने और उग्रवाद का मुकाबला करने में युवा शांति निर्माताओं को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता की अभूतपूर्व स्वीकृति का प्रतिनिधित्व करता है, और स्पष्ट रूप से युवाओं को वैश्विक प्रयासों में महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में स्थान देता है।

स्वामी विवेकानंद का आह्वान आज भी गूंजता है-'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए।' इस अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर हमें न केवल युवाओं की सराहना करनी है, बल्कि उन्हें जिम्मेदारी सौंपनी है, क्योंकि वे सिर्फकल के नहीं, बल्कि आज के भी निर्माता हैं। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भी युवाशक्ति को आगे लाना होगा। युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। युवा अनेक विसंगतियों एवं बुराइयों से घिरे हैं।

युवाओं में जोश होता है, लेकिन बिना दिशा का जोश आग भी लगा सकता है और दीपक भी जला सकता है। यह चुनाव हमारे हाथ में हैकृहम उन्हें सृजनशील बदलाव के शिल्पी बनाते हैं या अराजकता के उपकरण। महात्मा गांधी ने कहा थाकृष्आप वह बदलाव बनें जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।' युवा इस वाक्य को केवल नारा न बनाएं, बल्कि अपने जीवन का सूत्रवाक्य बनाएं। आज के युवा के सामने बेरोजगारी, मानसिक तनाव, नशे की लत, डिजिटल व्यसन, और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन इन्हीं के बीच नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति, डिजिटल क्रांति, और वैश्विक मंच पर पहचान बनाने के अनगिनत अवसर भी हैं। जरूरत है-आत्मनिर्भर सोच की, नैतिकता आधारित नेतृत्व की और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की। जब जलवायु परिवर्तन, शांति स्थापना, मानवाधिकार, और वैश्विक न्याय जैसे मुद्दों की बात आती है, तो दुनिया युवाओं की आवाज सुनना चाहती है। स्वीडन की ग्रेटा थनबर्ग से लेकर भारत के अनगिनत सामाजिक नवप्रवर्तकों तक-युवा यह साबित कर रहे हैं कि उम्र कोई बाधा नहीं, दृष्टि और साहस ही असली पूंजी है। युवाओं के हाथ में केवल भविष्य की मशाल नहीं, बल्कि वर्तमान की बागडोर भी है। अगर वे खुद को केवल दर्शक बनाकर रखेंगे, तो इतिहास उनके बिना आगे बढ़ जाएगा। लेकिन अगर वे सक्रिय भागीदारी करेंगे, तो इतिहास उन्हें अपने पन्नों में सुनहरे अक्षरों में दर्ज करेगा।

अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस मनाते हुए मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लौहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है। विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है।

युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे। युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इस दिन पूरे विश्व में युवापीढ़ी के संदर्भ में चर्चा होगी, उसके ह्रास और विकास पर चिंतन होगा, उसकी समस्याओं पर विचार होगा और ऐसे रास्ते खोजे जायेंगे, जो इस पीढ़ी को एक सुंदर भविष्य दे सकें। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए।

युवकों से संबंधित संस्थाओं को सचेत और सावधान करना होगा और कोई ऐसा सकारात्मक कार्यक्रम हाथ में लेना होगा, जिसमें निर्माण की प्रक्रिया अपनी गति से चलती रहे। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करना होगा। अर्नाल्ड टायनबी ने अपनी पुस्तक 'सरवाइविंग द फ्यूचर' में नवजवानों को सलाह देते हुए लिखा है 'मरते दम तक जवानी के जोश को कायम रखना।' उनको यह इसलिये कहना पड़ा क्योंकि जो जोश उनमें भरा जाता है, यौवन के परिपक्व होते ही उन चीजों को भावुकता या जवानी का जोश कहकर भूलने लगते हैं। वे नीति विरोधी काम करने लगते है, गलत और विध्वंसकारी दिशाओं की ओर अग्रसर हो जाते हैं। इसलिये युवकों के लिये जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है। एथेंस के शासकों को सुकरात का इसलिए भय था कि वह नवयुवकों के दिमाग में अच्छे विचारों के बीज बोने की क्षमता रखता था। आज की युवापीढ़ी में उर्वर दिमागों की कमी नहीं है मगर उनके दिलो दिमाग में विचारों के बीज पल्लवित कराने वाले स्वामी विवेकानन्द और सुकरात जैसे लोग दिनोंदिन घटते जा रहे हैं।

कला, संगीत और साहित्य के क्षेत्र में भी ऐसे कितने लोग हैं, जो नई प्रतिभाओं को उभारने के लिए ईमानदारी से प्रयास करते हैं? हेनरी मिलर ने एक बार कहा था- ''मैं जमीन से उगने वाले हर तिनके को नमन करता हूं। इसी प्रकार मुझे हर नवयुवक में वट वृक्ष बनने की क्षमता नजर आती है।'' महादेवी वर्मा ने भी कहा है ''बलवान राष्ट्र वही होता है जिसकी तरुणाई सबल होती है।'' इसीलिये युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि वह युवा दिवस पर कोई ऐसी क्रांति घटित करे, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आ सके, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सके।

यह निजी विचार है।

अकेलेपन की त्रासदी झेलते बुजुर्ग।

बच्चे आया के भरोसे।

बुजुर्गों के अकेलेपन की समस्या वैश्विक रूप धारण कर चुकी है ।भारत सहित चीन,जापान,स्वीटजरलैंड,अमेरिका फ्रांस कनाडा और ब्रिटेन मैं बुजुर्गों की स्थिति अकेलेपन के कारण दयनीय हो गई है। जापान तथा स्विट्जरलैंड में इच्छा मृत्यु लेने वालों की संख्या बढ़ गई। स्विट्जरलैंड,जापान में तो कई केंद्र ऐसे हैं जिनमें इच्छा मृत्यु धारण करने के वाले बुजुर्गों को वहां अलविदा कहकर भेज दिया जाता है। यह स्थिति मानवता के लिए अत्यंत चिंता करने वाली है। मैंने स्वयं अपनी स्वीटजरलैंड अमेरिका तथा ब्रिटेन की यात्रा के दौरान देखा है कि वहां के बुजुर्ग वहां के बाग बगीचों में टहलने की बजाय किताब या उपन्यास पढ़ते देखा हैं। भारत में अभी ओल्ड एज होम यानी वृद्ध आश्रम का चलन उस रफ्तार से नहीं बढा है जितना यूरोपीय देशों में इसका चलन फैशन बन चुका है। वहां पर लगभग 40त्न बुजुर्गों को ओल्ड एज होम भेज दिया जाता है। भारत के संदर्भ में अभी भी बुजुर्गों को संयुक्त परिवार में काफी वरीयता दी जाती है किंतु जिन परिवारों में बुजुर्गों की संताने एकल परिवार वाली होती हैं वहां निश्चित तौर पर बुजुर्गों को वृद्ध आश्रम भेजने की तैयारी कर ली जाती है। पहले बुजुर्ग अपने नाती पोतों के साथ खेल कर उन्हें दादी नानी की कहानी सुना कर अपना बुढ़ापा गुजार लिया करते थे किंतु अब छोटे बच्चों को शिक्षा हेतु बाहर व्यावसायिक स्कूलों में भेज दिया जाता है जिससे बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं। संतानों के पास अपनी नौकरियों तथा व्यवसाय के कारण बुजुर्गों से बात करने का समय नहीं होता, नतीजतन बुजुर्ग एकदम अकेले हो जाते हैं और अनेक बीमारियों के शिकार होने लगे हैं।

भारत में आधुनिकता की होड़ ने देश के संयुक्त परिवारों को खंडित कर दिया है। अधिकांश परिवार अब एकल परिवार में परिवर्तित हो गए, ऐसे में बुजुर्ग तथा बच्चे सबसे ज्यादा इस त्रासदी के शिकार हुए हैं। आधुनिक जीवन शैली ने माता पिता को नन्हे बच्चों से दूर कर दिया है और परिवार में स्त्री पुरुष के नौकरी करने के कारण बच्चे या तो बुजुर्गों के साए में परवरिश के लिए बाध्य हैं अथवा उनकी देखरेख आया बाइयों के भरोसे पर निर्भर हो गई है। बुजुर्गों के साथ उनकी संतानों की संवेदनहीनता ने असहाय सा बना दिया है। बच्चों तथा बुजुर्गों को इसी समय सबसे ज्यादा अपने माता पिता तथा संतानों के सहयोग एवं संरक्षण की आवश्यकता महसूस होती है। यदि आधुनिक जीवन शैली के कारण बुजुर्गों तथा बच्चों का उनके अभिभावक एवं पुत्रों पुत्रियों के साथ संवाद हीनता एक बड़ी पीड़ा का कारण बन जाति है।

भारत में सर्वे के अनुसार बुजुर्गों और नौजवान पीढ़ी के बीच संवाद हीनता एक चिंताजनक स्वरूप ले चुका हैद्य बुजुर्ग एकाकीपन से अब मानसिक रोगों के शिकार होने लगे हैं। जिन बुजुर्गों को चलने फिरने और बाहर जाने में परेशानी होती है उनके लिए नौजवान पीढ़ी के साथ संवाद हीनता परेशानी का एक बड़ा सबक बन चुका हैद्य महिला तथा पुरुष बुजुर्गों के साथ यह समस्या बृहद रूप लेकर सामाजिक समस्या बन गई हैद्य बुजुर्ग हमारी धरोहर हैं इनका जीवन के हर दृष्टिकोण में संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। इसी तरह बच्चों को नैतिक तथा बुनियादी शिक्षा देकर उन्हें देश का अच्छा नागरिक बनाने की जिम्मेदारी भी माता-पिता पर होती है। पर वर्तमान में बच्चे मां बाप के नौकरी पेशा होने के कारण अपने माता-पिता से दूर होते जा रहे हैं। बुजुर्ग और संतानों के बीच मोबाइल ,व्हाट्सएप फेसबुक और इंटरनेट के कारण संवाद हीनता ने जटिल संकट पैदा कर दिया है। बुजुर्ग यदि अपने मन की बात किसी से कह नहीं सकेंगे तो उन्हें मानसिक रूप से बीमारी का संकट हो सकता है। नौजवान पीढ़ी को खाली समय में मोबाइल कंप्यूटर में फेसबुक व्हाट्सएप इंस्टाग्राम से ही फुर्सत नहीं है। ऐसे में बुजुर्गों के लिए यह संकट और गहराने का खतरा बढ़ता जा रहा हैद्य उल्लेखनीय है कि बुजुर्गों का अनुभव उनका ज्ञान परिवार,समाज तथा देश के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश की संस्कृति में बुजुर्गों का सम्मान और इज्जत उनकी रक्षा निहित हैद्य वे वटवृक्ष की तरफ हम सबका मार्गदर्शन करते हैं अतः हमारा प्रथम कर्तव्य होगा कि हम वृद्धजनों की हर संभव रक्षा कर उनकी इज्जत, तवज्जो करेंद्य इसके साथ ही हमें बच्चों तथा नौजवानों की भी रक्षा करनी होगीद्य भारत सरकार की लगातार चेतावनी और विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा जारी निर्देशों की अवहेलना अभी भी भारत देश में जारी है।

भारत के नौजवान बुजुर्ग और बच्चे बड़ी तादाद में मौजूद हैं उन सब की रक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। खास तौर पर बुजुर्गों की जो शारीरिक रूप से कमजोर एवं अक्षम होते हैं उनकी तरफविशेष ध्यान देकर हमें उनकी रक्षा करनी होगी यह हमारा प्रथम दायित्व होगा।

यह निजी विचार है।

डॉनल्ड ट्रंप भारत के इतने खिलाफ क्यों हो रहे हैं

अजय दीक्षित

एक सप्ताह से यूएस प्रेसिडेंट डॉनल्ड ट्रंप भारत पर टैरिफ बार कर रहे हैं और आज उन्होंने टैरिफ को बढ़ा कर पच्चीस से पचास फीसदी कर दिया है ये उन वस्तुओं पर लगेगा जो भारत अमेरिका को निर्यात करेगा पहले ये दस फीसदी था । उल्लेखनीय है भारत अमेरिका को 84 अरब डॉलर का प्रति वर्ष निर्यात करता है जिसके बदले में अमेरिका से 47 अरब डॉलर कीमत का आयत करता है जिसमें लोहा सीमेंट, रक्षा उपकरण, हेलीकॉप्टर, आदि शामिल हैं जबकि भारत अमेरिका में डेयरी उत्पाद, टेक्सटाइल,कपास, जुट, आदि निर्यात करता है। भारत क्रूड ऑयल सऊदी अरब,रूस, कुवैत, इराक,ईरान,से खरीद रहा है।रूस से प्रति महीने 1.1लाख बैरल क्रूड ऑयल खरीद रहा है जो भारत की जरूरत का 40 फीसदी के आसपास है बस यही से विवाद शुरू हुआ है। अमेरिका का कहना है कि भारत रूस की अर्थ व्यवस्था को मजबूत बनाने में लगा है और रूस यूक्रेन युद्ध को बंद नहीं कर रहा है।3 वर्ष से अधिक से चल रहे रूस यूक्रेन युद्ध को बंद कराने के कई प्रयास कर लिए। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को युद्ध विशेषज्ञों ने बताया है कि रूस यूक्रेन को पूरा कब्जा कर ले गा तभी युद्ध समाप्त होगा

चाइना तो भारत से भी अधिक क्रूड ऑयल रूस से खरीद रहा है। देखिए अब विश्व का राजनीतिक पारदर्श बदल रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, और विक्रम मिश्री सात दिन से चीन में है । और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाइना जाने वाले हैं।विदेश मंत्री एस जयशंकर भी चाइना में आज सी जिंग पिंग से मिले हैं। अमेरिका के खिलाफ पूरे विश्व में गोलबंदी हो रही है। यूरोपीय देशों ने नाटो से मुंह मोड़ लिया है क्योंकि अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेनी राष्ट्रपति जलेशकी को व्हाइट हाउस में बुलाकर फटकार लगाई थी।दरअसल अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की नीति किसी को समझ में ही नहीं आ रही है कभी भारत पर आरोप लगाते हैं कि रूस को यूक्रेन युद्ध में फंडिंग कर रहा है और कभी यूरोपीय देशों को फ्रांस जर्मनी इटली ब्राजील ऑस्ट्रेलिया,पर टैरिफ बढ़ा कर उन्हें नेस्तनाबूद करने को धमकी देते हैं। डॉनल्ड ट्रंप का पहला कार्यकाल इतना उलझा नहीं था और न किसी अमेरिकन राष्ट्रपति का रहा है।

जबकि यूरोपीय देशों गैस, क्रूड ऑयल, रूस से खरीद रहे हैं।

डॉनल्ड ट्रंप की दोहरी नीति गाजा को लेकर है वहां इज़राइल

गाजा में भूखे पॉलिस्टिनो पर उस समय हमला कर रहा है जब वह खाने पीने का सामान लेने जा रहे हैं। लेकिन तब अमेरिका का मानव अधिकार संगठन चुप बैठ जाता है। कुल मिलाकर डॉनल्ड ट्रंप का ऐसे पहले राष्ट्रपति है जो नित नई नीति घोषित कर ते हैं। भारतीय औद्योगिक क्षेत्र के जानकार

श्री हीरा चंदानी ने कहा कि भारत इस समय विश्व की सबसे अधिक बढ़ती अर्थ व्यवस्था है और उसका जीडीपी 6.4 के आसपास है तो डॉनल्ड ट्रंप ने जो कहा है कि भारत डूबती अर्थ व्यवस्था है यह गलत है।अभी ब्रिटेन के प्राइम मिनिस्टर

स्टारमर ने कहा कि भारत ब्रिटेन की गिरती अर्थ व्यवस्था में मदद कर सकता है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने अकेले भारत पर ही नहीं ब्राजील,साउथ कोरिया, चाइना पर टैरिफ बढ़ाए हैं क्योंकि भारत, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड, फ्रांस, इटली,ही सर्वाधिक निर्यात करते हैं।

यह निजी विचार है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत किसानों को बड़ी सौगात, सीधे खातों में बीमा राशि का भुगतान

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान के झुंझूनु से किसानों के खातों में बीमा राशि का डिजिटल भुगतान किया

35 लाख किसानों को 3,900 करोड़ रुपए की बीमा राशि मिली

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी कार्यक्रम में रहे मौजूद

पीआईबी

किसान कल्याण प्रतिबद्धता सिद्ध करते हुए आज केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने राजस्थान के झुंझूनू से किसानों के खातों में प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के तहत डिजिटल राशि का भुगतान किया। करीब 35 लाख किसानों के खातों में 3,900 करोड़ रुपये की धनराशि वितरित की गई। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्यमंत्री श्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा, मौजूद रहे। बड़ी संख्या में किसानों ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। विभिन्न राज्यों के लाखों किसान व लाभार्थी वर्चुअल माध्यम से समारोह से जुड़े रहें। इस अवसर पर संबोधित करते हुए श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक अद्भुत भारत का निर्माण हो रहा है। राजस्थान को जल्द ही यमुना, चंबल के साथ-साथ सिंधु नदी का पानी भी मिलने वाला है। भारत के द्वारा पहलगाम के आतंकी हमले का मजबूती से बदला लिया गया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकी अड्डों को ध्वस्त कर दिया गया। उन्होंने कहा कि किसी तीसरे देश की कोई भूमिका नहीं थी। भारत ने अपनी क्षमता से निर्णय लिया। जब पाकिस्तान झुका और शरण में आया तब हमारी ओर से कार्रवाई रोकी गई।

श्री चौहान ने कहा कि पहले कि सरकार द्वारा फसल बीमा की राशि पूरी तहसील या ब्लॉक की फसल बर्बाद होने के बाद ही दी जाती थी लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पुरानी सारी योजनाओं को निरस्त करते हुए ऐसी बीमा योजना बनाई के जिसके अंतर्गत एक गांव क्या एक किसान की भी अगर फसल बर्बाद हुई तो बीमा की राशि दी जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मात्र एक योजना ही नहीं बल्कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सरकार किसानों की जिंदगी सुखद बनाने का कार्य कर रही है। पौने चार लाख करोड़ रुपये की धनराशि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत सीधे किसानों के खातों में वितरित की जा चुकी है। प्रधानमंत्री फ सल बीमा योजना के 2016 में शुरुआत से अब-तक 2 लाख 12 हजार करोड़ रुपये किसानों को दिए जा चुके हैं। खाद की सब्सिडी में भी सरकार ने बड़े स्तर पर किसानों को मदद पहुंचाने की कोशिश की है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आज यूरिया की 45 किलो की एक बोरी किसानों को 266 रुपये में मिलती है, इसकी असली कीमत 1,633 रुपये 24 पैसे है। 266 रुपये से ऊपर की सभी राशि का वहन सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में किया जाता है। डीएपी की 50 किलो की बोरी किसानों को 1,350 रुपये में मिलती है, जिसकी असली कीमत है 3,100 रुपये। अब-तक 14 लाख 6 हजार करोड़ रुपये सस्ते खाद के लिए फर्टिलाइजर कंपनियों को दिए जा चुके हैं। अन्य कल्याणकारी योजनाओं का भी केंद्रीय मंत्री ने जिक्र किया। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा एमएसपी के दाम बढ़ाने का भी काम किया गया है। किसानों की लागत में 50 प्रतिशत लाभ जोड़कर ही एमएसपी तय करने का निर्णय लिया गया। सरकार ने 2,000 रुपये प्रति क्विंटल मूंग खरीदने का निर्णय लिया। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पीएम आशा योजना के तहत अब-तक गेहूं और धान की खरीद के लिए किसानों के खातों में 43 लाख 87 हजार करोड़ रुपये डाले गए हैं। बाजार हस्तक्षेप योजना (MIP) के तहत भी किसानों को दूसरे राज्यों में माल बेचने की व्यवस्था का प्रावधान किया गया है, जिसमें परिवहन की लागत सरकार वहन करेगी।

किसानों के फायदे के लिए नई-नई योजनाएं बनाने का काम किया जा रहा है।

नकली खाद और उर्वरकों पर सख्ती जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस संबंध में त्वरित कदम उठाते हुए एक कड़ा कानून बनाने की प्रक्रिया पर तेजी से काम चल रहा है। जल्द ही ठोस कानून बनाकर ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा फसलों पर वायरस अटैक की स्थिति में यदि किसानों द्वारा जानकारी साझा की जाएगी या मात्रा एक फोटो के जरिए भी सूचना दी जाएगी, तो मदद के लिए वैज्ञानिकों की टीम तुरंत किसानों के पास गांव पहुंचेगी।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि खरीफ के फसल के बाद अब रबी की फसल के लिए भी 'विकसित कृषि संकल्प अभियान' के तहत वैज्ञानिकों की टीम किसानों के गांव-गांव जाएगी और उन्हें खेती व शोध की सही जानकारी देगी। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि अब भावी कृषि अनुसंधान खेती और किसानों की मांग पर आधारित होंगे। खेती की वर्तमान जरुरत के अनुसार ही वैज्ञानिकों को अनुसंधान करने के निर्देश दिए गए हैं। मूंग, उड़द, सोयाबीन, बाजरे के उत्पादन में वृद्धि के लिए अच्छे बीज बनाने के लिए वैज्ञानिकों को कहा गया है।

कृषि मंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री का अभिनंदन करते हुए कहा कि देश का सौभाग्य है कि हमें श्री नरेंद्र मोदी के रूप में प्रधानमंत्री का नेतृत्व मिला है। राष्ट्र को सर्वोपरि रखते हुए प्रधानमंत्री ने साफ कर दिया है कि देश के किसानों से हितों से समझौता नहीं किया जाएगा, चाहे उसके लिए उन्हें व्यक्तिगत क्षति ही क्यों ना उठानी पड़े। इस बड़े फैसले ने दुनिया के सामने भारत की मजबूत छवि स्थापित की है।

रांची में स्वतंत्रता दिवस परेड के लिए रिहर्सल के दौरान सुरक्षाकर्मी।

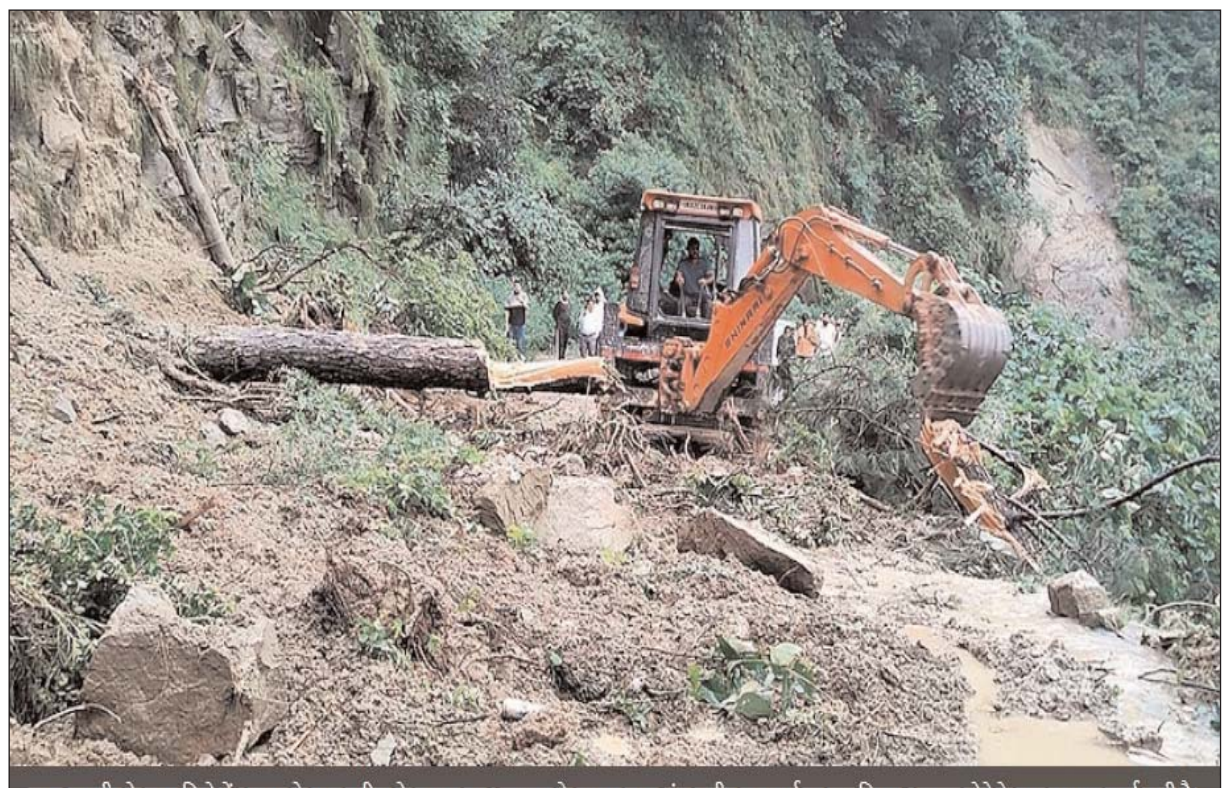

जम्मू-कश्मीर के जम्मू जिले में अखनूर के पास बारिश के कारण हुए भूस्खलन के कारण जम्मू-पुंछ राष्ट्रीय राजमार्ग का एक हिस्सा अवरुद्ध होने के बाद मरम्मत कार्य जारी है।

ब्रह्माकुमारीज राजनांदगांव द्वारा 24 अगस्त को विशाल रक्तदान शिविर

राजनांदगांव -

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय राजनांदगांव द्वारा 24 अगस्त रविवार को विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन होने जा रहा है। 25 अगस्त को संस्था के पूर्व मुख्य प्रशासिका दादी प्रकाशमणि जी का 18वीं पुण्य स्मृति दिवस है । इस दिन को ब्रह्मकुमारीज द्वारा विश्व बंधुत्व दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसी के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया जा रहा है । 22 अगस्त से लेकर 25 अगस्त तक भारत तथा नेपाल में स्थित समस्त ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्रों पर यह रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा। इन चार दिनों में लगभग एक लाख यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है । इसी के तहत ब्रह्माकुमारीज राजनांदगांव के नए भवन ज्ञान मानसरोवर में भी 24 अगस्त रविवार को रक्तदान शिविर आयोजित किया जाएगा जिसमें लगभन 100 यूनिट रक्त एकत्रित करने का लक्ष्य रखा गया है । यह शिविर प्रातः 9 बजे से 4 बजे तक होगा । शहर के जो भी रक्तदाता रक्त दान करना चाहते है वे आमंत्रित है । यह जानकारी स्थानीय सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी पुष्पा बहन जी ने दी।

युवा संकल्प लोकतंत्र रक्षकों के वंशजों की आत्मनिर्भरता की दिशा में मिशन : उपासने

लोकतंत्र रक्षक संघ की पहल, युवाओं को कौशल विकास, उद्यमिता और रोज़गार के अवसर;

अन्य राज्यों में भी लागू होगा मॉडल उपासने

पीआईबी

लोकतंत्र रक्षक संघ ने मीसा बंदियों के वंशजों के सामाजिक, आर्थिक और शैक्षणिक सशक्तिकरण के लिए महत्वाकांक्षी पहल ÷युवा संकल्प÷ की शुरुआत की है। यह योजना संघ के अध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने जी की प्रेरणा से प्रारंभ हो रही है। 1975-77 के आपातकाल में हजारों लोकतंत्र सेनानियों ने संवैधानिक अधिकारों की रक्षा हेतु यातनाएँ सही और जेलों में समय बिताया। आज उनके परिवार, विशेषकर युवा पीढ़ी, कई क्षेत्रों में पिछड़ेपन का सामना कर रही है। ÷युवा संकल्प÷ इस स्थिति को बदलने की दिशा में एक ठोस प्रयास है।

परियोजना के प्रमुख आयाम:

कौशल विकास प्रशिक्षणः कंप्यूटर, डिजिटल मार्केटिंग, सिलाई, ब्यूटी पार्लर, फूड प्रोसेसिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आदि।

उद्यमिता प्रोत्साहनः व्यवसाय शुरू करने हेतु मार्गदर्शन और संसाधन।

मानसिक सशक्तिकरणः आत्मविश्वास, नेतृत्व विकास एवं सामाजिक सहभागिता।

रोज़गार/स्व-रोज़गार अवसरः सरकारी योजनाओं, बैंकों व निजी क्षेत्रों से जोड़ना।

परियोजना का संचालन लोकतंत्र रक्षक संघ करेगा, जिसमें तकनीकी सलाहकार के रूप में श्री सिधार्थ सुबोध पांडे सहयोग देंगे। प्रमुख पदाधिकारियों में सुहास देशपांडे, आलोक श्रीवास्तव, मोहन पवार, हेमंत उपासने, हारमिंदर सिंह टिन्नी और शरद श्रीवास्तव शामिल हैं।

बजट एवं विस्तारः

अनुमानित बजट 20-25 लाख, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, मशीनरी, मास्टर ट्रेनर, सामग्री, मार्केटिंग एवं ब्रांडिंग शामिल होंगे। इस मॉडल को भविष्य में अन्य राज्यों में भी लागू करने का लक्ष्य है।

समाज से अपीलः यह परियोजना केवल एक योजना नहीं, बल्कि एक सामाजिक आंदोलन है। संघ ने समाज के सभी वर्गों, मीडिया, जनप्रतिनिधियों, ट्रस्टसंस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों से सहयोग की अपील की है।

हम मानते हैं – जब समाज साथ चलता है, तो परिवर्तन स्थायी होता है।

अन्नपूर्णा देवी ने मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता

जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने में चेहरे से पहचान की पद्धति के महत्व को रेखांकित किया

पीआईबी

आज नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी की अध्यक्षता में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक का एजेंडा ÷मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 में चेहरे से पहचान की पद्धति को लागू करना÷ था। बैठक में लोकसभा और राज्यसभा दोनों का प्रतिनिधित्व करने वाले संसद सदस्यों ने भाग लिया। इनमें श्रीमती सुधा मूर्ति, श्रीमती मंजू शर्मा, श्रीमती जोबा माझी, श्रीमती धर्मशीला गुप्ता, श्रीमती इंदु बी. गोस्वामी और श्रीमती किरण चौधरी शामिल थीं।

अपने संबोधन के दौरान श्रीमती अन्नपूर्णा देवी ने मिशन के तहत सेवाओं की आपूर्ति में पारदर्शिता, जवाबदेही और दक्षता बढ़ाने में चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि तकनीक की सहायता से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लाभ केवल वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे और किसी प्रकार की त्रुटियों और दोहराव को खत्म किया जा सके।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के सचिव श्री अनिल मलिक ने सदस्यों को चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) के तकनीकी और परिचालन पहलुओं से अवगत कराया। साथ ही पोषण ट्रैकर के माध्यम से टेक-होम राशन (टीएचआर) वितरण की वास्तविक समय में निगरानी में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव श्री ज्ञानेश भारती ने कार्यान्वयन रणनीति, लाभ और योजना के प्रभाव पर विस्तृत प्रस्तुति दी। संसद सदस्यों ने अपने विचार साझा किए और इस पहल को और मजबूत बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव दिए। उन्होंने लाभार्थियों को कुशल और जवाबदेह सेवा प्रदान करने की दिशा में एफ्आरएस की शुरुआत को एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

केंद्रीय मंत्री ने सांसदों के बहुमूल्य सुझावों के लिए उनका आभार व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को सुझावों को शामिल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने जमीनी स्तर पर मुद्दों के समाधान के लिए संसद सदस्यों के साथ निरंतर सहयोग का आग्रह किया।

टीएचआर वितरण के दौरान पोषण ट्रैकर पर एफ्आरएस प्रक्रिया वितरण केंद्र से लाभार्थी के घर तक टेक-होम राशन डिलीवरी सुनिश्चित करने के लिए मंत्रालय की ओर से चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) को शुरू किया गया है। चेहरे से पहचान की पद्धति (एफ्आरएस) एक तकनीकी-सक्षम प्रमाणीकरण सुविधा है, जो आधार विवरण के आधार पर वास्तविक लाभार्थी का सत्यापन करती है। एफ्आरएस में दो चरण शामिल हैं, जैसे

ऑन-बोर्डिंग (ईकेवाईसी, लाइव फोटो कैप्चरिंग और प्रमाणीकरण) और उसके बाद टीएचआर वितरण के दौरान चेहरे का मिलान किया जाता है।

ऑन बोर्डिंग (शुरुआत) : एफ्आरएस सिस्टम को लागू करने के लिए पंजीकृत लाभार्थियों को शामिल करने के लिए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लाभार्थी का चेहरा लेना होगा और केवल एक बार ईकेवाईसी करना होगा, जिसके लिए आधार पंजीकृत मोबाइल नंबर पर ओटीपी भेजा जाएगा। योजना के तहत लाभार्थी जैसे गर्भावस्था से स्तनपान तक, 0-6 वर्ष, 14-18 वर्ष की किशोरियों का सम्पूर्ण ध्यान रखा जाता है। 5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए बाल आधार बिना बायोमीट्रिक जारी किया जाता है। बच्चों के मामले में एफ्आरएस/ईकेवाईसी के लिए माता/पिता/अभिभावक की मदद ली जा रही है। पहली बार एफ्आरएस पूरा करने के बाद मासिक चेहरा मिलान : जब लाभार्थी का ई-केवाईसी और चेहरा कैप्चर पहली बार सफलतापूर्वक पूरा हो जाता है तो उनकी सत्यापित तस्वीर सिस्टम में सुरक्षित रूप से संग्रहीत कर ली जाती है। अगले महीने से नई ली गई तस्वीर (फेटो) की तुलना पहले से सत्यापित फोटो से करके चेहरा मिलान किया जाता है। मासिक चेहरा मिलान ऑफ्लाइन मोड में किया जा सकता है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

औराईकला में 25 हेक्टेयर जमीन पर 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान के तहत पौधरोपण

कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने पौधारोपण कर कहा, पौधों को सुरक्षित रखना हम सब की जिम्मेदारी

अतिक्रमण मुक्त एवं शासकीय जमीन पर प्रशासन और उद्योगों के संयुक्त अभिसरण से

जिले में जारी है वृहद वृक्षारोपण

जांजगीर-चांपा, संवाददाता। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत औराईकला में ÷एक पेड़ माँ के नाम÷ अभियान 2.0 के अंतर्गत पौधरोपण किया और कहा कि पौधों को सुरक्षित और संरक्षित रखने की जिम्मेदारी हम सब की है। औराईकला में जिला प्रशासन और प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड के सहयोग से 25 हेक्टेयर भूमि पर तीन चरणों में 25 हजार पौधे लगाए जाएंगे और पेड़ों की फेंसिंग, पानी एवं सुरक्षा व्यवस्था की जिम्मेदारी संबंधित इंडस्ट्रीज के द्वारा की जाएगी। पहले चरण में मंगलवार को आम, करंज, आँवला, अर्जुन, शीशम, सफेद, काला सिरसा, पीपल, आकेसिया, कटहल जैसे छायादार और औषधीय महत्व के पौधे लगाए गए। वृहद पौधारोपण कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, उद्योग प्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री महोबे ने कहा कि इन स्थानों को खाली छोड़ने के बजाय पौधे लगाकर हरियाली करना ही स्थायी समाधान है। इस अभियान में उद्योगों की भागीदारी सुनिश्चित की गई है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अतिक्रमण जमीन पर पौधारोपण होने से जमीन सुरक्षित रहेगी और प्रशासन और उद्योग द्वारा मिलकर हमारे गाँव को हरा भरा बनाया जा रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि पौधे की सुरक्षा हम सब की जिम्मेदारी है इसलिए इसका संदेश गाँव-गाँव तक पहुंचाएंगे। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा सनत देवांगन, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती यादमती पंचराम रात्रे, जनपद पंचायत सदस्य श्रीमती द्रौपदी रमाकांत साहू, सरपंच औराईकला श्रीमती अल्का सुदीप रात्रे, जिला खनि अधिकारी श्री अनिल साहू, डिप्टी कलेक्टर श्री पवन कोसमा, जनपद पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता के संग' अभियान के तहत रैली, संगोष्ठी सहित विविध कार्यक्रम हो रहे आयोजित

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव,

जांजगीर-चांपा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ''हर घर तिरंगा अभियान 2025'' का आयोजन 02 से 15 अगस्त तक तीन चरणों में किया जा रहा है। यह अभियान ''हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग'' थीम पर आधारित है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने संबंधित अधिकारियों को सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश जारी करते हुए आमजन में देशभक्ति की भावना जगाने, हर घर पर तिरंगा फहराने और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। यह अभियान प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त, द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त तथा तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलेगा।

स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर चल रहे इस अभियान में ग्रामीण अंचलों से लेकर शैक्षणिक संस्थानों तक देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत मोहगांव में स्वच्छता रैली निकाली गई। रैली से पहले ग्राम पंचायत परिसर और चौक-चौराहों की सफाई कचरा कलेक्शन करने वाली स्वच्छता दीदियों ने की। इसके बाद चौक पर आयोजित बैठक में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने स्वच्छता विषयों पर चर्चा की और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत बंसुला में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने 'हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता के संग उत्सव' के तहत पंचायत भवन, स्कूल भवन और मोहल्लों की सफाई की। स्कूल एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिले के विद्यालयों में देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तिरंगा रंगोली, तिरंगा सेल्फी, ब्लैकबोर्ड सज्जा, दीवार सज्जा और तिरंगा रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में कक्षा 11 वीं कॉमर्स संकाय में प्रवेश हेतु आवेदन आमंत्रित

जांजगीर-चांपा पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 11 वीं कॉमर्स संकाय में रिक्त स्थान के लिए ऑनलाइन, ऑफलाइन आवेदन आमंत्रित किया गया है। आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 20 अगस्त 2025 तक वृद्धि की गई है। प्राचार्य पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा ने बताया कि इच्छुक विद्यार्थी जो शैक्षणिक सत्र 2024-25 में सी.बी.एस.ई. अथवा राज्य सरकार से संबद्ध किसी सरकारी अथवा सरकार से मान्यता प्राप्त विद्यालय से कक्षा 10वीं उत्तीर्ण हुआ हो, जिनकी जन्मतिथि 01 जून 2008 से 31 जुलाई 2010 तक हो (दोनों तिथियां सम्मिलित) नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाईट www.navodaya.gov.in पर आवेदन प्राप्त कर सकते हैं एवं भरे हुए आवेदन को विद्यालय के ई-मेल jnvsakti@gmail.com पर ई-मेल के माध्यम से जमा, भेज सकते है अथवा जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा, जिला सक्ती (छ.ग.) में कार्यालयीन समय पर उपस्थित होकर भी जमा कर सकते हैं।

विधायक व्यास कश्यप के पहल और पुलिस अधीक्षक के दिशा निर्देश पर नैला में 14 अगस्त को खुलेगा पुलिस सहायता केंद्र

जांजगीर चांपा।

जांजगीर चांपा के विधायक व्यास कश्यप के पहल एवं पुलिस अधीक्षक विजय पांडे के दिशा निर्देश पर 14 अगस्त को बहुप्रतीक्षित पुलिस सहायता केंद्र नैला गायत्री मंदिर की पास खुलने जा रहा है. जिससे शहर में बढ़ रहे अपराधिक घटना पर लगाम लगेगी.वहीं असामाजिक लोगो के खिलाफ पुलिस सहायता केंद्र में शिकायत सकेंगे।

विधायक व्यास कश्यप, पुलिस अधीक्षक विजय पांडे एवं उमेश कश्यप सहित पार्षद अरमान खान एवं गणमान्य व्यक्तियों द्वारा आज मौके पर निरीक्षण किया गया. नैला स्टेशन के पास गायत्री मंदिर के बाजू लोगों को बहुप्रतीक्षित मांग थी कि यहां एक पुलिस सहायता के खोला जाए. इस पुलिस सहायता केंद्र में 24 घंटे पुलिस बल तैनात रहेगी. जिससे स्टेशन में बाहरी लोगों के आने जाने वालो पर निगरानी रहेगी. शहर वासियों ने पुलिस सहायता केंद्र खोलने पर विधायक व्यास कश्यप का बहुत बहुत आभार व्यक्त करते हुए पुलिस अधीक्षक को धन्यवाद ज्ञापित किया है.आपको बता दे कि नैला में बहुप्रतीक्षित मांग थी कि नैला स्टेशन के पास एक पुलिस सहायता केंद्र खोला जाय.जिसे देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय पांडे के दिशा निर्देश एवं विधायक व्यास कश्यप के पहल पर जल्द 14 अगस्त को विधिवत उद्घाटन किया जाएगा।

अकलतरा क्षेत्र में अवैध महुआ शराब के साथ दो पकड़ाए

जांजगीर चांपा / आबकारी आयुक्त श्री श्याम धावड़े एवं जांजगीर चांपा कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशानुसार व प्रभारी सहायक आयुक्त आबकारी श्रीमति नीलिमा दीघ्रस्कर के विशेष मार्गदर्शन में जिला-जांजगीर में आबकारी वृत अकलतरा द्वारा अवैध शराब निर्माण एवं भंडारण पर कार्यवाही की गई । इस कार्यवाही में आज झिरीया निवासी आरोपी श्रवण कुमार कुर्रे पिता सौखीराम के आधिपत्य से 7.8 लीटर हाथभट्ठी महुआ शराब व ग्राम कटनई निवासी आरोपी राम धनवार पिता सुख सिंह के कब्जे से 8.6लीटर महुआ शराब बरामद होने पर उक्त आरोपियो के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(1) क 34(2)59(क) के तहत कार्यवाही की गई । कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक शिल्पा दुबे एवं मुख्य आरक्षक अनवर मेनन, गणेश चेलकर का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ट्रूहोम फाइनेंस लिमिटेड
(पूर्व नाम श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड)

Truhome FINANCE

पंजीकृत कार्यालय: श्रीनिवास टॉवर, पहली मंजिल, दरवाजा नंबर 5, पुराना नंबर 11, दूसरी लेन, सेनाटोफा रोड, अलवरपेट, तेनाम्पेट, चेन्नई-600018
मुख्य कार्यालय: लेवल 3, वॉकहार्ट टॉवर्स, ईस्ट विंग सी-2 ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा डु कासी, मुंबई-400051 **वेबसाइट:** www.truhomefinance.in

कब्जा नोटिस

जबकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 का 54) के अंतर्गत ट्रूहोम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के साथ पठित (नियम 3) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उधारकर्ताओं को मांग नोटिस जारी किया, जिसका विवरण नीचे दी गई तालिका में दिया गया है, ताकि नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित राशि चुकाई जा सके।

उधारकर्ता द्वारा राशि वापस करने में असफल रहने के कारण, उधारकर्ता और आम जनता को सूचित किया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने अधिनियम की धारा 13 की उपधारा (4) के अंतर्गत उसे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित, वर्ष 2025 की अगस्त माह की 8 तारीख को नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है।

विशेष रूप से उधारकर्ता और आम जनता को इस संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करने की चेतावनी दी जाती है और संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन ट्रूहोम फाइनेंस लिमिटेड (पूर्व में श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड) के प्रभार के अधीन होगा, जो नीचे उल्लिखित राशि और उस पर ब्याज के रूप में होगा।

[उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है, जो सुरक्षित परिसंपत्तियों को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में है।]

उधारकर्ता का नाम और पता

1. मे. खान ट्रेडर्स/टायर दुकान (मालिक - आलम खान),
पता - मेट्रो टॉकिस के पास, लिंक रोड, जांजगीर, जांजगीर चांपा, छ.ग. - 495668
2. आलम खान पुत्र मिहिर खान,
3. श्रीमती समा बेगम पत्नी श्री आलम खान
पता - मकान नंबर 76/11, वार्ड नंबर 04, सुल्तान नगर, नैला, जांजगीर (एनपी),
जांजगीर चांपा, छ.ग. - 495668

डिमांड नोटिस के अनुसार देय राशि

कुल रु. 37,90,341/- (सैंतिस लाख नब्बे हजार तीन सौ इकचालिस रुपये मात्र) 09/01/2025 तक
ऋण खाता संख्या SLPHBILA0000200
मांग सूचना की तिथि - 10.01.2025
भौतिक कब्जे की तिथि - 08.08.2025
एनपीए की तिथि - 03.01.2025

बंधक संपत्ति का विवरण

डायवर्टेड भूमिस्वामी भूमि और मकान डायवर्टेड सर्वे नंबर 901/5 (खसरा नंबर 901/4 का हिस्सा), मोजा नैला, पी.एच. नंबर 7, आर.आई.सी. जांजगीर, नगर पालिका जांजगीर, वार्ड क्रमांक 04 पुरानी बस्ती वार्ड, तहसील जांजगीर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ पर स्थित है।
माप क्षेत्र 182.25 वर्ग मीटर।
उत्तर:- रास्ता, दक्षिण:- विक्रेता की शेष भूमि, पूर्व:- विक्रेता की शेष भूमि, पश्चिम:- विक्रेता की शेष भूमि से घिरा हुआ।

स्थान : जांजगीर चांपा, (छ.ग.)
तिथि : 08/08/2025

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी- ट्रूहोम फाइनेंस लिमिटेड
(पहले श्रीराम हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के नाम से जाना जाता था)

हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता : स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान के तहत रैली, संगोष्ठी सहित विविध कार्यक्रम हो रहे आयोजित

जांजगीर-चांपा

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ''हर घर तिरंगा अभियान 2025'' का आयोजन 02 से 15 अगस्त तक तीन चरणों में किया जा रहा है। यह अभियान ''हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छताः स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग'' थीम पर आधारित है। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे के निर्देशन एवं जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे ने संबंधित अधिकारियों को सफल आयोजन हेतु दिशा-निर्देश जारी करते हुए आमजन में देशभक्ति की भावना जगाने, हर घर पर तिरंगा फहराने और सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया। यह अभियान प्रथम चरण 02 से 08 अगस्त, द्वितीय चरण 09 से 12 अगस्त तथा तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक चलेगा।

स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग थीम पर चल रहे इस अभियान में ग्रामीण अंचलों से लेकर शैक्षणिक संस्थानों तक देशभक्ति और स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए विविध कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। जनपद पंचायत बम्हनीडीह के ग्राम पंचायत मोहगांव में स्वच्छता रैली निकाली गई। रैली से पहले ग्राम पंचायत परिसर और चौक-चौराहों की सफाई कचरा कलेक्शन करने वाली स्वच्छता दीदियों ने की। इसके बाद चौक पर आयोजित बैठक में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने स्वच्छता विषयों पर चर्चा की और गांव को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया। ग्राम पंचायत बंसुला में स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने 'हर घर तिरंगा - हर घर स्वच्छता - स्वतंत्रता के संग उत्सव' के तहत पंचायत भवन, स्कूल भवन और मोहल्लों की सफाई की। स्कूल एवं महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। जिले के विद्यालयों में देशभक्ति और स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए तिरंगा रंगोली, तिरंगा सेल्फी, ब्लैकबोर्ड सज्जा, दीवार सज्जा और तिरंगा रैली जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

खास खबर

बुधवारी वीआईपी रोड पर हुआ हादसा, तेज रफ्तार कार ने कई बाइक सवारों को मारी टक्कर

कोरबा आईटीआई से बुधवारी जाने वाला वीआईपी रोड एक बार फिर हादसे का गवाह बना। रविवार देर शाम अंधरीकछार स्कूल के पास तेज रफ्तार और लापरवाही से कार चला रहे एक चालक ने सड़क पर जा रहे कई मोटरसाइकिल सवारों को टक्कर मार दी। घटना से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और कार को जब्त कर थाने ले गई। हादसे में घायल सभी व्यक्तियों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि इस सड़क पर अक्सर तेज रफ्तार वाहन दौड़ते हैं और पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। क्षेत्रवासियों ने प्रशासन से वीआईपी रोड पर स्पीड कंट्रोल के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की है।

हसदेव नदी एनीकेट में मिला बच्चे का शव, पहचान की तलाश

कोरबा हसदेव नदी एनीकेट में रविवार शाम करीब 4.30 बजे एक बच्चे का शव पानी में तैरते हुए मिला। स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी तत्काल दर्री पुलिस को दी। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर निकालकर मरचुरी भेज दिया गया। मृतक बच्चे की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने आसपास के लोगों और थानों को सूचना दी है। किसी भी व्यक्ति को बच्चे की पहचान हो तो वह दर्री थाना प्रभारी से संपर्क कर सकता है। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि बच्चे की मौत पानी में डूबने से हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की पुष्टि हो सकेगी।

लेमरू में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित

कोरबा ग्राम पंचायत लेमरू में विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए कार्यक्रम में विभिन्न ग्राम पंचायत के जन्म प्रतिनिधि विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम उपस्थित रहे जहां ग्रामीणों को शिविर में निशुल्क जांच परामर्श के साथ ही दवाओं का वितरण भी किया गया। आदिवासी शक्ति पीठ कोरबा के महासचिव श्री तंवर ने जानकारी देते हुए बताया कि शक्तिपीठ द्वारा पांच दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे हैं जिसके तहत आज चैथे दिन में लेमरू के हाई स्कूल में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 6 पंचायत ऑन में हिस्सा लिया जिसमें ग्राम पंचायत बडगांव, लेमरू, देवपहरी, अरसेना, डोकरमना, नाकिया शामिल है। उक्त शिविर में विशेषज्ञ डाक्टरों ने उपस्थिति दर्ज कराई जिसमें, शुगर, बीपी जांच किया गया साथ ही शिशु रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग समेत आयुष चिकित्सकों ने अपनी सेवाओं दी। जहां ग्रामीणों को निःशुल्क परामर्श के साथ दवाइयां प्रदान की गई। ग्राम पंचायत लेमरू सरपंच रजनी तंवर ने बताया कि क्षेत्र में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर के आयोजन से सैकड़ों की संख्या में ग्रामीण लाभान्वित हुए, क्षेत्र में आदिवासी समुदाय के लोगों के इस प्रकार का आयोजन ग्रामीणों की अत्यंत लाभकारी साबित होता है।

किसानों को सुविधा देने नैनो डीएपी और यूरिया उपलब्ध

बिलासपुर

खरीफ सीजन के लिए बिलासपुर जिले में किसानों को सहायता देने जिला प्रशासन के सहयोग से कृषि विभाग गंभीरता पूर्वक काम कर रहा है। जिले में अब तक 500 मिली लीटर की 5328 बोतल नैनो डीएपी और 12384 बोतल नैनों यूरिया की सहकारी समितियों में भण्डारण में से 10,626 बोतलें सफलतापूर्वक वितरित की जा चुकी हैं। वर्तमान में शेष 7106 बोतलें सहकारी समितियों में किसानों की सुविधा के लिए उपलब्ध रखी गई हैं।

नैनो डीएपी केवल विकल्प नहीं, बल्कि विज्ञान एवं नवाचार पर आधारित समाधान है। एक 500 मिली लीटर की नैनो डीएपी बोतल में 45 किलोग्राम परम्परागत डीएपी के बराबर पोषक तत्व होते हैं। इसका प्रयोग मिट्टी को नुकसान पहुंचाये बिना फसल को पूर्ण पोषण प्रदान करता है, जिससे किसानों को न केवल अच्छी उपज मिलती है, बल्कि उनकी लागत में भी कमी आई है। सरकार और जिला प्रशासन द्वारा इस योजना को सफल बनाने के लिए निरंतर जागरूकता अभियान चलाये जा रहे हैं। पोस्टर, बैनर, गांवों में बैठकें और ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों के माध्यम से किसानों को नैनो डीएपी के प्रयोग, लाभ और सावधानियों की जानकारी दी जा रही है। सभी प्राथमिक सहकारी समितियों को यह निर्देश दिया गया है कि वे किसानों को बिना किसी रूकावट के उपलब्ध कराएं और स्टॉक की नियमित जानकारी अपडेट करें। पिछले वर्षों की तुलना में इस बार किसानों में नैनो डीएपी को लेकर कहीं अधिक भरोसा देखने को मिल रहा है। इसका मुख्य कारण प्रशासन की तैयारी, समय पर भण्डारण और निरंतर जागरूकता अभियान। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसानों को एक भी दिन के लिए उर्वरक की कमी का सामना करना न पड़े।

छत्तीसगढ़ महिला द्विज परिषद ने मनाया सावन उत्सव

कोरबा छत्तीसगढ़ महिला द्विज परिषद बालको नगर द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सावन उत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। यह आयोजन गत दिवस को सांई मंगलम बालको में हुआ, जिसमें समाज की महिलाओं और बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

सावन क्विन प्रतियोगिता के विजेता

इस अवसर पर आयोजित सावन क्विन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रक्षा तिवारी, द्वितीय स्थान निशा द्विवेदी और तृतीय स्थान कविता पांडेय ने प्राप्त किया। मुख्य अतिथि रश्मि शर्मा और मनोरमा दीवान ने विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

आयोजन की विशेषताएं कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद लिया गया, जो समाज के सदस्यों द्वारा तैयार किए गए थे। छत्तीसगढ़ महिला द्विज परिषद बालको के अध्यक्ष आशा तिवारी और सचिव रश्मि दुबे के मार्गदर्शन में यह आयोजन हर्षोल्लास पूर्वक मनाया गया।

आयोजन के मुख्य आकर्षण:'

सावन क्विन प्रतियोगिताः महिलाओं के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

व्यंजनों का स्वादः समाज के सदस्यों द्वारा तैयार विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद लिया गया।

प्रकृति को मां जैसा दें सम्मान : अरूण साव

उप मुख्यमंत्री 'वन महोत्सव' कार्यक्रम में हुए शामिल

बिलासपुर । उप मुख्यमंत्री अरूण साव आज वन चेतना केन्द्र सकरी में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधा लगाया और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने की अपील की। कार्यक्रम में विधायक सर्व धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह, सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष राजेश सूर्यवंशी, तखतपुर जनपद अध्यक्ष डॉ माध्वी संतोष वस्त्रकार, कलेक्टर संजय अग्रवाल, एसपी रजनेश सिंह, सीसीएफ बिलासपुर प्रभात मिश्रा, डीएफओ विपुल अग्रवाल, सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक और स्कूली बच्चे मौजूद थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरूण साव ने कहा कि 1950 से अनवरत वन महोत्सव मनाया जा रहा है। हमारे राज्य का 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। 55812 वर्ग किमी भूभाग वनों से आच्छादित है। वनों की वजह से ही हम कोरोना जैसी माहामारी पर विजय पाने में सफल हुए। लगातार हो रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम के चलते वनों का क्षेत्रफल लगातार बढ़ रहा है और यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि सर्वाधिक वृद्धि छत्तीसगढ़ में हुई है। हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अच्छे पर्यावरण की सौगात दें, यह हमारी जिम्मेदारी है। हमें पर्यावरण को संरक्षित, पल्लवित और पुष्पित करना होगा। मां का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। जिस प्रकार मां हमारा जीवन भर पालन-पोषण करती है उसी प्रकार एक वृक्ष भी जीवनभर हमारे लिए करते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसलिए मां से पेड़ को जोड़कर एक पेड़ मां के नाम अभियान की शुरूआत की। अपनी मां की तरह ही हमें पेड़ को सम्मान देना होगा। हमें पर्यावरण और जल संरक्षण के महत्व को समझना होगा। बारिश के एक-एक बूंद को संरक्षित करना होगा। उप मुख्यमंत्री साव ने कहा कि हम आज इतने निर्दयी हो गए हैं कि गौ माता सड़कों पर घूम रही है। हमें गौ-माता की भी सेवा करनी होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने गौ-माता की सेवा के लिए गौधाम योजना शुरू कर रही है।

बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। बिल्हा ब्लॉक में इस दिशा में अच्छा प्रयास किया गया। यहां एक ही दिन में 60 हजार से ज्यादा पौधे लगाये गये। तखतपुर विधायक धरमजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें लगातार प्रयास करना चाहिए।

हमें वृक्षों का महत्व समझना होगा। अपने प्रदेश को हरा-भरा बनाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण के लिए सराहनीय पहल की गई है। बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला ने कहा कि प्रकृति हमारी मां जैसी है। प्रकृति हमें सब देती है। हमने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ कर उस पर सबसे बड़ा कुठाराघात किया है।

किसान कल्याण समिति : हाईकोर्ट के डिविजनल बैंच ने छोटे खातेदारों के पक्ष में सुनाया फैसला

कोरबा छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की डिविजनल बैंच ने स्पष्ट कर दिया है कि एकल पीठ द्वारा हर खाते में रोजगार और पुनर्वास प्रदान करने के लिए दी गयी आदेश ही सही है और जिसके लिए एसईसीएल बाध्य है। एसईसीएल द्वारा एकल पीठ में दिए गए उक्त आदेश के विरुद्ध याचिका लगायी थी और कोल इंडिया पालिसी 2012 के अनुसार रोजगार देने की अपनी नीति को जायज बताया गया था किंतु डिविजनल बैंच ने एसईसीएल की याचिका को खारिज कर दिया है और 1991 की पुनर्वास नीति जिसे मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति कहा जाता है उसके अनुसार ही रोजगार पुनर्वास दिया जाना होगा। ऊर्जाधानी भूविस्थापित किसान कल्याण समिति ने हाईकोर्ट द्वारा भूविस्थापित परिवारों के पक्ष में दिये गए फैसले पर आभार व्यक्त किया है और कहा है कि एसईसीएल को हाईकोर्ट का आदेश का पालन करते हुये हर खाते में रोजगार उपलब्ध कराया जाये संगठन के अध्यक्ष सपुरन कुलदीप ने अपने बयान में बताया कि कोरबा जिले चारो एरिया के अलावा एसईसीएल की सभी क्षेत्र में वर्ष 2004 से लेकर 2009-10 में भूमि अधिग्रहण किया गया था और उस समय मध्यप्रदेश व छत्तीसगढ़ आदर्श पुनर्वास नीति लागू थी किंतु रोजगार में कटौती के फार्मूला पर कोल इंडिया पालिसी 2012 के अनुसार 2 एकड़ में एक रोजगार को लागू कर लिया था जिसके कारण छोटे खातेदारों को भारी नुकसान हो रहा था जिसके खिलाफ सभी क्षेत्रों के किसानों ने अलग अलग याचिका लगाई थी जिसे माननीय उच्च न्यायालय ने समाहित कर एक साथ सुनवाई पूर्ण किया है और अपनी निर्णय दिया है जिससे भूविस्थापित परिवारों में आशा की किरण जगी है और न्यायपालिका पर विश्वास और बढ़ा है ।

हसदेव नदी संरक्षण के लिए श्रावण पूर्णिमा से रिवर फ्रंट निर्माण की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान प्रारम्भ

कोरबा, संवाददाता

कोरबा कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी आज प्रदूषण, अव्यवस्था और उपेक्षा का शिकार हो चुकी है। इसे फिर से संरक्षित, स्वच्छ और सौंदर्यपूर्ण बनाने के उद्देश्य से नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा प्रत्येक मास की पूर्णिमा को माँ सर्वमंगला घाट कोरबा पर हसदेव आरती की जाती है। इसी क्रम में श्रावण पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 9 अगस्त 2025 को सायं 5 बजे माँ सर्वमंगला घाट कोरबा पर आयोजित हसदेव आरती में मुख्य यजमान के रूप में ठाकुर जुड़ावन सिंह, उपाध्यक्ष, विद्या भारती (मध्य क्षेत्र) एवं विशिष्ट यजमान के रूप में नान्हीदास दीवान, प्रांताध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शिक्षक महासंघ और डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा, अध्यक्ष, आयुष मेडिकल एसोसिएशन, कोरबा शामिल हुए। नमामि हसदेव सेवा समिति द्वारा कोरबा जिले की जीवनदायिनी हसदेव नदी के प्रदूषण को कम करने, संरक्षण करने और तट के सौंदर्यीकरण के लिये दर्री बांध से कुदुरमाल पुल तक हसदेव नदी के दोनों किनारों पर रिवर फ्रंट का निर्माण करवाने हेतु, श्रावण पूर्णिमा 9 अगस्त 2025 से आश्विन पूर्णिमा 7 अक्टूबर 2025 तक हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसका शुभारंभ हसदेव तट माँ सर्वमंगला घाट पर ठाकुर जुड़ावन सिंह (उपाध्यक्ष, विद्या भारती, मध्य क्षेत्र), नान्हीदास दीवान (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शिक्षक महासंघ) और डॉ. नागेन्द्र नारायण शर्मा (अध्यक्ष, आयुष मेडिकल एसोसिएशन, कोरबा) ने हस्ताक्षर कर किया।

कटघोरा का समृद्ध जंगल हाथियों को बेहद पसंद : किसानों के खड़ी फसल को किया तहस-नहस

कोरबा । कोरबा जिले का कटघोरा वन मंडल का समृद्ध जंगल हाथियों को बेहद पसंद आ रहा है. कुछ समय पहले तक कटघोरा वन मंडल के इलाकों में हाथी प्रवास करते थे और पड़ोसी राज्यों से आकर वापस लौट जाते थे, लेकिन अब यही हाथियों के लिए एक तरह का स्थाई निवास बन गया है. लेमरू हाथी रिजर्व और हसदेव अरण्य क्षेत्र में आने वाले घने और बड़े जंगल हाथियों को भा रहे हैं. पड़ोसी राज्यों में जंगल का सिमटता दायरा भी कटघोरा वनमंडल में हाथियों के मौजूदगी की एक प्रमुख कारण है. वर्तमान में कटघोरा वनमंडल के 45 का झुंड एक साथ विचरण करते देखा गया ये हाथी ऐतमागर और आसपास के इलाकों में विचरण कर रहे हैं।

बीती रात यह दल बाझीबन गांव पहुंचा और करीब दो दर्जन से अधिक किसानों की खड़ी फसलों को रौंद दिया। हाथियों का झुंड देख और उनकी चिंघाड़ सुन कर ग्रामीण भारी दहशत में है। बता दे की यहां इतनी अधिक तादाद में हाथी पहले कभी नहीं रहे. इन्हें संभालने के साथ ही हाथी मानव द्वंद रोकना भी अब वन विभाग लिए एक बड़ी चुनौती है।

कटघोरा वनमंडल के पसान, कोरबी और केंदई रेंज में हाथियों की आवाजाहि बनी हुई हैं। दर असल यहां घने जंगल हैं. जहां हाथियों को अधिक मात्रा में खाना और पानी मिल जाता है. इसके कारण हाथी यहां स्थाई तौर पर निवास कर रहे हैं. इन क्षेत्रों के ग्रामीणों को भी लगातार सतर्क रहने की हिदायत वन मंडल द्वारा दी जा रही हैं। लोगों को जंगल के आसपास जाने से भी मना किया जा रहा है ।और ऐसी कोई भी परिस्थिति से बचने की हिदायत दी जाती है, जिससे कि हाथी मानव द्वंद की गुंजाइश हो। बांझी में किसानों की फसल नुकसान करने की सूचना के बाद से वन विभाग की टीम लगातार हाथियों की लोकेशन पर नजर रख रही है और मॉनिटरिंग की जा रही है। साथ ही, ग्रामीणों को चेतावनी दी जा रही है कि वे हाथियों के नजदीक न जाएं।

वन विभाग के डीएफओ कुमार निशांत ने बताया कि हाथियों द्वारा नुकसान पहुंचाई गई फसलों का सर्वे किया जा रहा है, ताकि प्रभावित किसानों को मुआवजा दिलाया जा सके। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और हाथियों के विचरण क्षेत्र में न जाएं।

बिलासपुर में धर्मांतरण का मामला : पास्टर समेत तीन महिलाएं गिरफ्तार, मकान सील

बिलासपुर संवाददाता।

बिलासपुर में एक बार फिर धर्मांतरण का मामला सामने आया है। सरकंडा थाना क्षेत्र के बंधवा पारा में सोमवार को पुलिस और हिंदू संगठनों की संयुक्त कार्रवाई में एक किराए के मकान से धर्मांतरण गतिविधि पकड़ी गई। यहां ब्राह्मण समाज की महिला पास्टर संध्या तिवारी 10-12 महिलाओं को प्रार्थना सभा के आड़ में ईसाई धर्म अपनाने का पाठ पढ़ा रही थी।

चंद्रिका बाई सूर्यवंशी के घर एक ब्राह्मण समाज की महिला पास्टर संध्या तिवारी प्रार्थना सभा के आड़ में 10 से 12 महिलाओं का ब्रेन वॉश कर रही थी। इसकी जानकारी लगते ही सरकंडा पुलिस और हिन्दू संगठन के लोग मौके पर पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। सरकंडा पुलिस ने घर के अंदर चल रहे प्रार्थनासभा के आड़ में धर्मांतरण के मामले में पास्टर संध्या तिवारी समेत दो अन्य महिलाओं को गिरफ्तार कर पूछताछ में जुटी है। मकान को सील कर दिया गया है। इससे पहले रविवार को सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के प्रगति नगर में भी इसी तरह का मामला सामने आया था, जहां एक महिला को गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता सागर सिंह ठाकुर के अनुसार, आर्थिक रूप से कमजोर युवतियों को बहला-फुसलाकर, प्रलोभन और दबाव के जरिए धर्मांतरण कराया जा रहा था।

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 299, 353(1)(सी) बीएनएस के तहत मामला दर्ज किया है और जांच जारी है। अधिकारियों का कहना है कि बिलासपुर में पिछले तीन महीनों में ऐसे 30 से अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

-: छत्तीसगढ़ शासन वनविभाग कवर्धा वनमंडल, कवर्धा (छत्तीसगढ़) :-
नीलाम की संक्षिप्त सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कवर्धा वनमंडल कवर्धा के अंतर्गत काष्ठागार चिल्फी में एकत्रित ईमारती काष्ठ का ई-ऑक्शन द्वारा निर्वतन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है कि वे ई-आक्शन में भाग लेवें। ई-आक्शन की शर्तें एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/काष्ठागार चिल्फी से प्राप्त की जा सकती है।

नीलाम दिनांक - 20.08.2025
समय - 9:00 बजे प्रातः से

वनोंपज की अनुमानित मात्रा निम्नानुसार है

प्रजाति	नया काष्ठ			अनबिके काष्ठ			योग		
	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी	घ.मी.	बल्ली	डेंगरी
सागौन	8.988	26	5	-	-	-	8.988	26	5
साल	557.489	-	311	414.604	-	-	972.093	-	311
बीजा	1.110	-	2	0.765	-	-	1.875	-	2
तिंसा	19.423	-	-	-	-	-	19.423	-	-
साजा	-	-	-	16.593	-	-	16.593	-	-
धावड़ा	-	-	-	9.809	-	-	9.809	-	-
कसही	-	-	-	10.378	-	-	10.378	-	-
अन्य	-	-	-	3.211	-	-	3.211	-	-
योग :-	587.010	26	318	455.360			1042.370	26	318

टीप :-
(1) केताओ को ई-आक्शन के पूर्व MSTC E-Auction portal में रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है।
(2) केताओ को ई-आक्शन के पूर्व कय लाटों के अपसेट प्राईज मूल्य के 10 प्रतिशत की राशि अपने वॉलेट में रखना अनिवार्य है। सफल बोलीदार को एक सप्ताह के भीतर शेष 15 प्रतिशत ई.एम.डी. की राशि जमा करना अनिवार्य है।
(3) लाट की थप्पीसूची एवं फोटो MSTC E-Auction portal में अपने आई.डी.से लॉगइन करके देख सकते है।
(4) ई-आक्शन में लॉट कय करने हेतु प्रथम केता को 40 सेकंड का समय प्राप्त होगा, उसी लॉट में अन्य केताओं को कय करने पर 30 सेकंड का समय प्राप्त होगा।
(5) प्रत्येक लॉट 30 सेकंड की अवधि के लिए बोली लगाने के लिए लाइव रहेगा। यदि अंतिम 20 सेकंड में कोई बोली प्राप्त नही होती है तो लॉट बंद कर दिया जायेगा।

वन मंडलाधिकारी
कवर्धा,वनमण्डल कवर्धा

G-252602729/4

न्यायमूर्ति श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल होंगे छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश

रायपुर। न्यायमूर्ति श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल ने आज सुबह छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के स्थायी न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण किया। छत्तीसगढ उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री रमेश सिन्हा द्वारा अपने न्यायालय कक्ष मे उन्हें शपथ दिलाई गयी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय बिलासपुर के समस्त न्यायाधीशगण उपस्थित रहे।उल्लेखनीय है कि विधि एवं विधायी कार्य विभाग नई दिल्ली द्वारा 07 अगस्त 2025 को न्यायमूर्ति श्री रविन्द्र कुमार अग्रवाल को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में स्थायी न्यायाधीश नियुक्त किए जाने हेतु अधिसूचना जारी की गई है।इस शपथ ग्रहण कार्यक्रम में महाधिवक्ता श्री प्रफुल्ल एन. भारत, डिप्टी सॉलिसिटर जनरल श्री रमाकान्त मिश्रा, अध्यक्ष उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ, श्री उमाकांत चंदेल, वरिष्ठ अधिवक्तागण, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के पदाधिकारीगण, अधिवक्तागण, रजिस्ट्रार जनरल, रजिस्ट्री न्यायिक एकेडमी एवं विधिक सेवा प्राधिकरण के न्यायिक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री रामविचार नेताम ने दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धमेंद्र प्रधान से की सौजन्य मुलाकात

रायपुर।मंत्री श्री रामविचार नेताम ने दिल्ली में केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धमेंद्र प्रधान से की सौजन्य मुलाकात किसान कल्याण एवं आदिम जाति विकास मंत्री श्री राम विचार नेताम अपने दिल्ली प्रवास के दौरान आज केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धमेन्द्र प्रधान से दिल्ली स्थित उनके निवास कार्यालय में सौजन्य मुलाकात की। मंत्री श्री नेताम ने इस मौके पर केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री प्रधान को बताया कि जिला बलरामपुर-रामानुजगंज जनजातीय बाहुल्य क्षेत्र है। शिक्षा की दृष्टि से रामानुगंज में केंद्रीय विद्यालय खोले जाने हेतु क्षेत्रवासियों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा निरंतर लंबे समय से मांग की जा रही है। मंत्री श्री नेताम ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री को क्षेत्र के छात्र-छात्राओं के हित को ध्यान में रखते हुए रामानुजगंज में केंद्रीय विद्यालय की स्वीकृति प्रदान का प्रस्ताव दिया। केंद्रीय मंत्री श्री प्रधान ने मंत्री श्री नेताम के प्रस्ताव पर रामानुजगंज में जल्द ही केंद्रीय विद्यालय खोलने का आश्वसन दिया।

युक्तियुक्तकरण नीति से प्रदेश के दूरस्थ अंचलों में शिक्षा की नई रोशनी

रायपुर। शिक्षक विहीन विद्यालयों को मिले शिक्षक, बच्चों को मिल रही नियमित और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर लागू शाला-शिक्षक युक्तियुक्तकरण नीति ने प्रदेश के शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव की नई इबारत लिखी है। इस नीति के तहत प्रदेशभर के शैक्षणिक संस्थानों में शिक्षकों का संतुलित वितरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे अब कोई भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है और बच्चों को समान व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिल रहा है। गौरतलब है कि युक्तियुक्तकरण से पूर्व प्रदेश के कुल 453 विद्यालय शिक्षक विहीन थे। युक्तियुक्तकरण के पश्चात एक भी विद्यालय शिक्षक विहीन नहीं है। इसी प्रकार युक्तियुक्तकरण के बाद प्रदेश के 4,728 एकल-शिक्षकीय विद्यालयों में अतिरिक्त शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। इस कदम से न केवल कक्षाओं का संचालन नियमित हुआ है, बल्कि बच्चों की उपस्थिति और पढ़ाई के प्रति उत्साह में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

इसका सकारात्मक असर सरगुजा जिले के मैनपाट विकासखंड स्थित प्राथमिक शाला बगडीहपारा में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जहां हाल ही में दो शिक्षकों की पदस्थापना की गई है। नवपदस्थ शिक्षक श्री रंजीत खलखो ने बताया कि युक्तियुक्तकरण की प्रक्रिया में उन्हें अपनी पसंद के विद्यालय चुनने का अवसर मिला और उन्होंने दूरस्थ बगडीहपारा को इसलिए चुना क्योंकि वे ग्रामीण अंचलों के बच्चों को शिक्षित करना अपना दायित्व और सौभाग्य मानते हैं। दो शिक्षकों की उपलब्धता से विद्यालय में सभी विषयों की पढ़ाई नियमित रूप से हो रही है, जिससे बच्चों की सीखने की गति तेज हुई है और अभिभावकों का भरोसा भी बढ़ा है। अब वे बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय भेज रहे हैं, जिससे उपस्थिति में निरंतर सुधार हो रहा है।

इसी प्रकार मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले के मानपुर विकासखंड का ग्राम कमकासुर इसका ताजा उदाहरण है। जिला मुख्यालय से 65-70 किलोमीटर दूर स्थित इस नक्सल प्रभावित वनांचल में 14 बच्चों की दर्ज संख्या वाली प्राथमिक शाला पिछले एक वर्ष से शिक्षक विहीन थी। शासन की युक्तियुक्तकरण पहल से यहां प्रधान पाठक की पदस्थापना हुई, जिससे बच्चों की पढ़ाई फिर से शुरू हुई और ग्रामीणों में शिक्षा को लेकर नया उत्साह लौट आया।

इसी तरह सक्ती जिले के ग्राम भक्तूडेरा में भी युक्तियुक्तकरण से बड़ा बदलाव आया। वर्षों से एकल शिक्षक पर निर्भर यह प्राथमिक शाला अब दो शिक्षकों से संचालित हो रही है। इससे बच्चों की पढ़ाई व्यवस्थित हुई, उपस्थिति बढ़ी और अभिभावकों का भरोसा मजबूत हुआ।

अबुझमाड़ के विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्ध : विजय शर्मा

रायपुर। नारायणपुर जिले में नक्सल उन्मूलन और विकास कार्यों की प्रगति को लेकर आज जिला पंचायत सभाकक्ष में एक अहम बैठक हुई, जिसमें प्रदेश के गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एवं उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने नेतृत्व किया। बैठक में जिले के विभिन्न वर्गों समाज प्रमुखों, व्यापारी संगठनों, चेंबर ऑफ कॉमर्स, ठेकेदारों, सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स, जनप्रतिनिधियों और बैंक अधिकारियोंने एक साथ बैठकर नक्सलवाद के उन्मूलन और सर्वांगीण विकास पर विचार-विमर्श किया।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में राज्य सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को समाप्त करने का स्पष्ट लक्ष्य तय किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और इसके पूर्ण खात्मे के लिए समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी जरूरी है। श्री शर्मा ने विश्वास जताया कि जिले की जनता अब विकास की राह पर अग्रसर है और गुमराह करने वाले तत्वों का प्रभाव लगातार घट रहा है। उन्होंने कहा कि अंदरूनी इलाकों में सड़क, पुल-पुलिया और भवन निर्माण कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा किया जाए, इसके लिए ठेकेदार आपसी समन्वय से काम करें। स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देते हुए इन परियोजनाओं में जोड़ा जाए ताकि उन्हें रोजगार मिले और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उपमुख्यमंत्री ने साफ किया कि इन क्षेत्रों में कार्य करने वालों की सुरक्षा की जिम्मेदारी पूरी तरह राज्य सरकार और पुलिस विभाग की होगी। उन्होंने अवैध धर्मांतरण और विदेशी-बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ पर कड़ी रोक लगाने के भी निर्देश दिए।उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि विकास कार्यों में बढ़ रही जनसहभागिता इस बात का संकेत है कि अबुझमाड़ में जल्द ही शांति, सुरक्षा और विश्वास के साथ विकास की गति तेज होगी। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार सुनिश्चित किया जाएगा। उन्होंने बैठक में उपस्थित सभी वर्गों के प्रतिनिधियों से जिले के विकास और नक्सल उन्मूलन के लिए सहयोग और सुझाव देने की अपील की।

बैठक में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने भी संबोधित करते हुए कहा कि जिले में लघु वनोपज की अपार संभावनाएं हैं और इनके प्रसंस्करण से स्थानीय लोगों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, विभिन्न जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। अंत में उपमुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि सामूहिक प्रयास ही नारायणपुर को नक्सलवाद मुक्त, सुरक्षित और समृद्ध बनाएंगे।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के बीच पहुँचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। प्रदेश के गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नारायणपुर प्रवास के दौरान नक्सल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित नक्सलियों से सीधा संवाद किया। इस मौके पर संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे। रक्षाबंधन के मौके पर पुनर्वास केंद्र की आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को राखी बांधी और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। श्री शर्मा ने सभी बहनों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि जो भाई-बहन नक्सल संगठन छोड़कर मुख्यधारा में आ गए हैं, वे अब हमारे परिवार का हिस्सा हैं। अगर कोई और भी लौटना चाहे, तो पूरा समाज उसे अपनाएगा और उसकी सुरक्षा व आजीविका की जिम्मेदारी हमारी होगी। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने शासन की पुनर्वास नीति की खुलकर सराहना की और बताया कि पहले उनका जीवन भटका हुआ और हिंसा से भरा था, लेकिन अब कौशल विकास प्रशिक्षण पाकर वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं और लोकतांत्रिक जीवन जी रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि पुनर्वास केंद्र की दिनचर्या में खेलकूद, मनोरंजन, देशभक्ति फिल्में और साक्षरता कार्यक्रम शामिल किए जाएं, साथ ही एक्सपोज़र विजिट के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को रायपुर और जगदलपुर जैसे शहरों का भ्रमण कराया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका आत्मविश्वास बढ़ाने और आमदनी के स्थायी साधन उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सरपंच छोटेडोंगर संध्या पवार, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी., कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, वनमंडलाधिकारी ससिगानंदन के., एसडीएम अभयजीत मंडावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रत्येक बूथ में पचास घरों में तिरंगा लगाने का लक्ष्य - भाजपा

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान व तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर जगदलपुर पूर्वी व पश्चिमी मण्डल की संयुक्त बैठक रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित हुई। शहर के प्रत्येक वार्ड में बूथवार तिरंगा यात्रा निकाली जायेगी, साथ प्रत्येक बूथ में पचास घरों में तिरंगा लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। भाजपा कार्यकर्ताओं से राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत इस अभियान में आमजन को जोड़ने कहा गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष पाण्डेय ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि तिरंगा यात्रा व हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान का सफलतापूर्वक संचालन सभी कार्यकर्ताओं को समर्पण भाव से संपूर्ण करना है। शक्ति केन्द्र प्रभारी,संयोजक, सहसंयोजक,बूथ अध्यक्षों एवं पार्षदों को दायित्व सौंपा जा रहा है। भाजपा के निष्ठावान कार्यकर्ता आम जन को भी अधिक से अधिक संख्या में जोड़ने का प्रयास करें। यह अभियान हर भारतीय के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान जगाने का कार्य करेगा।

बैठक को हर घर तिरंगा अभियान विधानसभा प्रभारी बैदूराम कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय, आर्येन्द्र आर्य, पूर्व मण्डल अध्यक्ष प्रकाश झा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन महामंत्री अतुल सिम्हा एवं आभार प्रदर्शन पश्चिमी नगर मण्डल अध्यक्ष अविनाश श्रीवास्तव ने किया।

प्रकृति को मां जैसा सम्मान दें : अरूण साव,

रायपुर। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव आज बिलासपुर के वन चेतना केन्द्र सकरी में वन महोत्सव में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधा लगाया और लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधरोपण करने की अपील की। विधायक सर्वश्री धरमलाल कौशिक, धर्मजीत सिंह और सुशांत शुक्ला, महापौर श्रीमती पूजा विधानी तथा जिला पंचायत के अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी वन महोत्सव में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि 1950 से अनवरत वन महोत्सव मनाया जा रहा है। हमारे राज्य का 44 प्रतिशत क्षेत्र वनों से आच्छादित है। 55,812 वर्ग किमी भूभाग वनों से आच्छादित है। वनों की वजह से ही हम कोरोना जैसी महामारी पर विजय पाने में सफल हुए। लगातार हो रहे वृक्षारोपण कार्यक्रम के चलते वनों का क्षेत्रफल लगातार बढ़ रहा है। यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि वन क्षेत्रों में सर्वाधिक वृद्धि छत्तीसगढ़ में हुई है। श्री साव ने कहा कि हम अपनी आने वाली पीढ़ी को अच्छे पर्यावरण की सौगात दें, यह हमारी जिम्मेदारी है। हमें पर्यावरण को संरक्षित, पल्लवित और पुष्पित करना होगा। मां का हमारे जीवन में बहुत महत्व है। जिस प्रकार मां हमारा जीवन भर पालन-पोषण करती है, उसी प्रकार एक वृक्ष भी जीवनभर हमारे लिए करते हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इसलिए मां से पेड़ को जोड़कर 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरूआत की। अपनी मां की तरह ही हमें पेड़ को सम्मान देना होगा। हमें पर्यावरण और जल संरक्षण के महत्व को समझना होगा। बारिश की एक-एक बूंद को संरक्षित करना होगा। विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पौधे लगाने होंगे। बिल्हा ब्लॉक में इस दिशा में अच्छा प्रयास किया गया है। यहां एक ही दिन में 60 हजार से ज्यादा पौधे लगाये गये। विधायक श्री धरमजीत सिंह ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें लगातार प्रयास करना चाहिए। हमें वृक्षों का महत्व समझना होगा। अपने प्रदेश को हरा-भरा बनाने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत वृक्षारोपण के लिए सराहनीय पहल की गई है। विधायक श्री सुशांत शुक्ला ने कार्यक्रम में कहा कि प्रकृति हमारी मां जैसी है। प्रकृति हमें सब देती है। हमने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़कर बड़ा कुठाराघात किया है। हमें अपने जीवन के विशेष अवसरों जैसे जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ इत्यादि पर पौधे लगाकर उन्हें अविस्मरणीय बनाना चाहिए। तखतपुर जनपद पंचायत की अध्यक्ष डॉ. माधवी संतोष वस्त्रकार, कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल, एसपी श्री रजनेश सिंह, सीसीएफ श्री प्रभात मिश्रा, डीएफओ श्री विपुल अग्रवाल और जिला पंचायत के सीईओ श्री संदीप अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में नागरिक एवं स्कूली बच्चे भी वन महोत्सव में मौजूद थे।

छत्तीसगढ़ के 141879 किसानों को 152.84 करोड़ रुपये का दावा भुगतान

11 अगस्त को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के क्लेम का होगा पात्र बीमित किसानों के खाते में सीधे अंतरण

रायपुर । भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं मौसम आधारित फसल बीमा योजना अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य के एक लाख 41 हजार 879 पात्र बीमित किसानों को कुल 152 करोड़ 84 लाख 62 हजार रुपये का दावा राशि का भुगतान राष्ट्रव्यापी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) के माध्यम से किया जाएगा। जिसमें खरीफसीजन 2024 के 33 हजार 943 पात्र किसानों को 10 करोड़ 25 लाख 97 हजार रुपये तथा रबी सीजन 2024-25 के एक लाख 7 हजार 936 पात्र किसानों को 142 करोड़ 58 लाख 65 हजार रुपये का दावा भुगतान शामिल है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत यह भुगतान 11 अगस्त 2025 (सोमवार) को राष्ट्रव्यापी प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण आधारित स्वचालित प्रणाली के माध्यम से केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राजस्थान के झुंझुनू में आयोजित कार्यक्रम में होगी। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री भागीरथ चौधरी, राजस्थान के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना विशिष्ट अतिथि होंगे।यह कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से आरंभ होगा। छत्तीसगढ़ के पात्र बीमित कृषकों को वर्चुअल मोड से कार्यक्रम में शामिल करने हेतु जिला स्तर पर कार्यालय उप संचालक कृषि तथा विकासखण्ड स्तर पर कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी में आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं, ताकि अधिक से अधिक लाभार्थी कृषक इसका हिस्सा बन सकें।मुख्यमंत्री छत्तीसगढ़ शासन ने इस अवसर पर कहा कि किसानों की आर्थिक सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जैसे प्रभावी कार्यक्रम किसानों को प्राकृतिक आपदाओं एवं फसल हानि से उबारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। यह दावा भुगतान हमारे कृषकों के विश्वास और आत्मनिर्भरता को और मजबूत करेगा। हमारी सरकार खेती को लाभकारी बनाने, सिंचाई सुविधाओं के विस्तार, आधुनिक तकनीक के प्रसार और फसल विविधीकरण के माध्यम से प्रदेश की कृषि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए संकल्पित है।

जन सुविधाओं का सतत विस्तार हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने की घोषणाः भारत माता चौक से कोसीर चौक तक 5 करोड़ से बनेगा गौरव पथ, सारंगढ़ में 3 करोड़ में बनेगा पीजी कॉलेज भवन

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिला अंतर्गत सारंगढ़ के शासकीय लोचन प्रसाद पांडे महाविद्यालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में 96 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण और 90 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिले को 186 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री साय ने जिले में विभिन्न जनसुविधाओं के विस्तार के लिए 13.40 करोड़ रुपये के विभिन्न कार्यों की घोषणा मंच से की।मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने उद्बोधन में कहा कि सांसद के रूप में उन्होंने लंबे समय तक सारंगढ़ की सेवा की है और अब प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में छत्तीसगढ़ को विकास पथ आर अग्रसर करने के दायित्व को विगत डेढ़ वर्षों से पूर्ण लगन और समर्पण के साथ निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की गारंटियों को पूरा करने की दिशा में सरकार द्वारा ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। किसानों से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान 3,100 रुपये की दर से खरीदा जा रहा है। 18 लाख प्रधानमंत्री आवास निर्माण को स्वीकृति प्रदान की गई है और तीव्र गति से हितग्राहियों के मकानों का निर्माण हो रहा है, जिसकी गति इतनी तेज है कि गांवों में राजमिस्त्री और सेंटरिंग प्लेट की भी कमी महसूस होने लगी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महतारी वंदन योजना से प्रदेश की 70 लाख महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है। हर माह मिलने वाली राशि से महिलाएं अपना खुद का व्यवसाय भी प्रारंभ कर रही हैं। सारंगढ़ जिले के दानसरा की माताओं और बहनों ने महतारी वंदन की राशि से अपने गांव में राम मंदिर निर्माण की पहल की है, जिसे आज पूरा प्रदेश जानता है। तेंदूपत्ता खरीदी के दाम बढ़ाए गए हैं। 5.62 लाख कृषि भूमिहीन मजदूरों को 10-10 हजार रुपये दिए जा रहे हैं। श्री रामलला दर्शन योजना से अब तक 22 हजार श्रद्धालु अयोध्याधाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर चुके हैं। राजस्व और जिले के प्रभारी मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पिछले डेढ़ वर्षों में प्रदेश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में सभी जगह विकास कार्यों को गति देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में करोड़ों की विकास कार्यों की सौगात मिलने से यहां जनसुविधाओं में वृद्धि होगी। सांसद श्री राधेश्याम राठिया ने कहा कि सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले में विकास कार्यों और अधोसंरचना विस्तार के कार्य को तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है। सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधाओं के साथ पीएम आवास जैसे कार्यों को प्राथमिकता से पूरा किया जा रहा है।

भादों लगते ही अब अच्छी वर्षा होने का पूर्वानुमान, राजधानी सहित प्रदेश में उमस भरी गर्मी से परेशान

रायपुर । मौसम विभाग के अनुसार सावन के पश्चात भादों लगते ही अच्छी वर्षा होने का अनुमान है मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि 12 अगस्त से राज्य के विभिन्न स्थानों पर अच्छी वर्षा होगी।

मौसम विभाग के अनुसार एक द्रोणिका के साथ ही कम दबाव का क्षेत्र बनने के कारण अच्छी वर्षा होने का पूर्वानुमान है। राज्य में एक हफ्ते से मानसून की गतिविधियां स्थिर हो गई है। जिसके कारण लोग उमस भरी गर्मी से परेशान हो गये है। किसानों को भी वर्षा होने का पूर्वानुमान है।

माध्य समुद्र तल पर फिरोजपुर, चंडीगढ़, देहरादून, खैरी, पटना, बांकुरा, दीघा और उसके बाद पूर्व दक्षिण पूर्व की ओर उत्तर पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण बांग्लादेश, पश्चिम बंगाल तट तथा उससे लगे उत्तर पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर 3.1 किलोमीटर से 5.8 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

एक द्रोणिका उत्तर पूर्व उत्तर प्रदेश से दक्षिण बांग्लादेश तक बिहार, झारखंड, गंगेटिक पश्चिम बंगाल के उत्तरी भाग से होते हुए, 3.1 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

प्रदेश में कल दिनांक 9 अगस्त को अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने अथवा गरज-चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

प्रदेश में 1-2 स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात होने की संभावना है। मानसून ब्रेक की स्थिति समाप्त होने के कारण, मानसून द्रोणिका का पूर्वी छोर अपने सामान्य स्थिति से थोड़ा दक्षिण की ओर स्थित है । इसके कारण वर्षा की गतिविधि में वृद्धि होने की सम्भावना है । 12 अगस्त से प्रदेश में व्यापक वर्षा सम्भावित है ।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)